तापमान
अधिकतम 27.2 डिग्री
न्यूनतम 16.3 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

हाईकोर्ट भर्ती परीक्षा : व्यापम ने पूछी-ऑपरेशन सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक सहित पहलगाम की भौगोलिक स्थिति

- उच्च न्यायालय बिलासपुर के अंतर्गत जूनियर ज्यूडिशियल के 133 पदों पर होगी इसके जरिए भर्ती
- प्रदेश में बनाए गए थे सिर्फ दो परीक्षा केंद्र, रायपुर में 40 सेंटर में हुई परीक्षा
- 31 हजार 800 परीक्षार्थी हुए पंजीकृत, इनमें से 14 हजार 566 रायपुर के, 39% रहे अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा वर्ष की पहली परीक्षा बिलासपुर हाईकोर्ट के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए आयोजित की गई। जूनियर जुडिशियल के 133 पदों पर रविवार को हुई भर्ती परीक्षा के जरिए नियुक्तियां होंगी। परीक्षा में पूछे गए सवाल रोचक रहे। विशेष बात यह रही कि सैन्य अभियानों से संबंधित सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे। परीक्षा में पूछे गए तकनीकी सवाल भी रोचक रहे। गूगल उत्पाद- गूगल असिस्टेंट, गूगल ब्रेन, गूगल ट्रांसलेट, जेमिनी, गूगल मैप्स को उनके लॉन्च के क्रम में व्यवस्थित करने से लेकर सीखने के लिए यूट्यूब सामग्री को व्यवस्थित करने जैसे प्रश्न पूछे गए। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के मुताबिक, प्रश्नों का स्तर सामान्य रहा। कई प्रश्न चौंकाने ▶▶| शेष पेज 11 पर

केवल दो जिलों में केंद्र

व्यापम ने इस भर्ती परीक्षा के लिए केवल दो जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए थे। राजधानी रायपुर और न्यायधानी बिलासपुर में यह भर्ती परीक्षा आयोजित हुई। रायपुर में 40 केंद्र उक्त परीक्षा के लिए बनाए गए। इसके लिए 31 हजार 800 परीक्षार्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें ने 14 हजार 566 पंजीयन रायपुर जिले के लिए हुए। पूरे प्रदेश में उपस्थिति का आंकड़ा 61% रहा। शेष 39% अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इसके प्रवेशपत्र व्यापम की वेबसाइट पर 29 दिसंबर को अपलोड कर दिए गए थे। 100 अंकों की लिखित परीक्षा और 50 अंकों का कौशल परीक्षण शामिल हैं। लिखित परीक्षा में कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

इस तरह के सवाल

- ऑपरेशन सिंदूर, ऑपरेशन पराक्रम, सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन विजय (कारगिल युद्ध) को आरोही क्रम में व्यवस्थित करें।
- पहलगाम, आगरा, पचमढ़ी को उत्तर से दक्षिण के क्रम में रखें।
- कंडेल नहर सत्याग्रह किससे संबंधित हैं?
- 'माना दर्रा' कहां स्थित है?
- 12 वर्ष से कम आयु की कन्याओं के विवाह पर रोक के लिए पारित सम्मति आयु अधिनियम (1891)किनके प्रयासों का परिणाम था?
- छत्तीसगढ़ में पंचायती राज की त्रि-स्तरीय संरचना को सही क्रम में लिखिए।
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वर्ष 2025 के लिए 'शहीद नारायण सिंह स्मृति सम्मान' किसे प्रदान किया गया?
- सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य कहां स्थित है?
- तमसो मा ज्योतिर्गमय प्रार्थना कहां से से ली गई है?
- छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा जिन्हें विशेष पिछड़ी जनजाति में शामिल किया गया हैं, वे कौन सी हैं?
- महानदी की सहायक नदियां कौन सी हैं?
- बरसाइत चौका पर्व कब मनाया जाता है?
- चंद्रयान-3 के संबंध में कौन से कथन सही हैं?
- अगरिया जनजाति किसकी पूजा करते हैं?
- ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक से क्यों सम्मानित किया गया?
- पौधों में जाइलम किसके लिए जिम्मेदार होते हैं?
- भारत में किस संवैधानिक संशोधन द्वारा शिक्षा को मौलिक अधिकार का ▶▶| शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री निवास में 8 को होगा जनदर्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में 8 जनवरी गुरुवार को जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव

साय इस अवसर पर प्रदेशवासियों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समयबद्ध समाधान मिल सके।

मजदूर से झपटमारी छीन ले गया मोबाइल

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक मजदूर युवक ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ झपटमारी कर मोबाइल ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। खरोरा निवासी मिथिलेश ध्रुव ने झपटमारी की शिकायत दर्ज कराई है। मिथिलेश ने पुलिस को बताया कि वह घड़ी चौक के पास स्काई वॉक में मजदूरी का काम कर रहा है। शनिवार देर रात अज्ञात बदमाश मजदूर का मोबाइल लूटकर फरार हो गया।

रेलवे ट्रैक पर मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश

रायपुर। पंडरी थाना क्षेत्र के मोवा ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली है। मृतक की अब तक शिनाख्ती नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच है। मृतक खाकी रंग की टी-शर्ट पहना हुआ है। उसके हाथ में अंग्रेजी में गोदना में एएस लव लिखा हुआ टैटू बना है। मृतक के सिर पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि किसी ट्रेन से टकराने से उसकी मौत हुई होगी।

महिला से किया रेप आजीवन कारावास

रायपुर। शादी का झांसा देकर युवती से रेप करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज पंकज कुमार सिन्हा की कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर वर्मा के अनुसार, कोर्ट ने कृष्ण मोहन तिवारी को कैद की सजा सुनाई है। कृष्ण मोहन के खिलाफ अनुसूचित जाति की युवती ने अजाक थाने में 14 जून 2025 को रेप करने की शिकायत दर्ज कराई थी। युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कृष्ण मोहन ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर वर्ष 2019 से अगस्त 2024 के बीच तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगह ले जाकर उसके साथ रेप किया।

साइड देने के विवाद पर मारपीट, केस दर्ज

रायपुर। आरंग थाने में एक ट्रैक्टर मैकेनिक ने चार लड़के तथा उनके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दीपक यादव ने राज सतनामी, राहुल सतनामी, रोशन सतनामी, मनोज सतनामी तथा अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दीपक ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात वह अपनी बाइक से घर जा रहा था। राज तथा उसके अन्य साथी रोड घेरकर चल रहे थे। राज तथा उसके अन्य साथियों को दीपक ने साइड देने कहा, इस बात से नाराज होकर लड़कों ने दीपक के साथ मारपीट की।

हर माह जिले के थानों में 13 सौ से ज्यादा एफआईआर

राजधानी में साल में 90 मर्डर, 85 में आरोपी दबोच लिए गए, सड़क दुर्घटनाएं कम, लेकिन मृतक ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिले के अलग-अलग थानों में हर माह 13 सौ से ज्यादा एफआईआर दर्ज हो रही है। बिते वर्ष 2025 में जनवरी से लेकर दिसंबर कर कुल 15 हजार 885 एफआईआर दर्ज हुई है। राजधानी में बढ़ते अपराध और बदलते ट्रेंड को देखते हुए पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया गया है। हालांकी वर्ष 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में अपराध में नौ प्रतिशत के करीब गिरावट आई है। अपराध में गिरावट जरूर आई है, लेकिन हत्या जैसे जघन्य अपराध में वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में 78 हत्या की घटाएं घटित हुई है। वहीं वर्ष 2025 में 90 हत्या की घटनाएं घटित हुई है। वर्ष 2025 में राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हर दो माह में 15 हत्या की घटनाएं हुई है। एक्सपर्ट के अनुसार जनसंख्या तथा अपराध के आंकड़ों के अनुसार हत्या की घटनाएं ज्यादा है।

- सड़क दुर्घटना में मामूली गिरावट लेकिन मृतकों की संख्या ज्यादा

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने पिछले एक साल में अपराध का लेखा जोखा पेश करते हुए बताया कि पिछले साल जो हत्या की घटनाएं हुई है। उनमें से 95 प्रतिशत मामलों के आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके है। पांच हत्या के केश में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। क्षणिक आवेश में आकर हत्या की कोशिश करने की घटना पूर्व की तरह है। वर्ष 2025 में हत्या की कोशिश की 97 घटनाएं हुई है।

सड़क दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ी

वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटना में कमी आई, लेकिन मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2024 में जहां 2079 सड़क दुर्घटना में 594 लोगों की मौतें हुई थी। दूसरे वर्ष 2047 सड़क दुर्घटना में 617 लोगों की मौतें हुई है।

अपराध के आंकड़ों पर एक नजर

- हत्या - 90 - 85 निराकरण - 167 गिरफ्तार
- हत्या की कोशिश - 97 - 90 निराकरण - 213 गिरफ्तार
- डकैती 7 - सभी का निराकरण - 43 गिरफ्तार
- लूट 71 - 55 प्रकरण निराकरण - 137 गिरफ्तार
- नकबजनी - 473 - 187 निराकरण - 352 गिरफ्तार
- चोरी 1442 - 290 निराकरण - 422 गिरफ्तार
- बलवा 82 - 60 निराकरण - 356 गिरफ्तार
- ठगी - 292 - सभी निकारकरण - 170 गिरफ्तार
- नारकोटिक्स - 271 - सभी निराकरण - 445 गिरफ्तार।

हर महीने 160 घरों के ताले टूट रहे

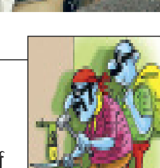

एसएसपी द्वारा पेश आपराधिक आंकड़ों के मुताबिक जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में प्रतिदिन औसतन पांच चोरी तथा नकबजनी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। एक साल में चोरी तथा नकबजनी की 1915 एफआईआर दर्ज हुई है। इस लिहाज से हर माह चोर औसतन 160 घरों के ताला तोड़ चोरी की घटना किए हैं।

नारकोटिक्स एक्ट की पौने तीन सौ रिपोर्ट

नारकोटिक्स एक्ट के तहत पुलिस ने इस बार भी कार्रवाई की है। वर्ष 2024 में पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट के

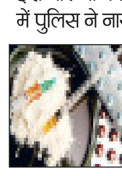

273 प्रकरण दर्ज कर पौने छह करोड़ के ड्रग्स के साथ अन्य सामान जब्त की थी। वर्ष 2025 में पुलिस ने 271 प्रकरण दर्ज कर 445 तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 करोड़ 81 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की गांजा, ड्रग्स सहित अन्य मादक पदार्थ जब्त की है।

एनसीसीआर से सवा 11 करोड़ होल्ड

साइबर अपराध को लेकर नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग (एनसीसीआर) पोर्टल में

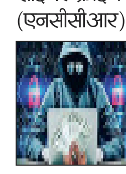

ऑनलाइन ठगी की कुल आठ हजार 680 शिकयतों में रेंज साइबर पुलिस ने 11 करोड़ 25 लाख 52 हजार 357 रुपए होल्ड कराया। इसके साथ ही पीड़ितों को 90 लाख रुपए से ज्यादा की राशि रेंज साइबर पुलिस ने वापस दिलवाने में मदद की।

चोरी की रिकवरी रेट औसत से भी कम

वर्ष 2025 में एक हजार 442 चोरी की रिपोर्ट में पीड़ितों ने पांच करोड़ 64 लाख 90 हजार 536 रुपए के सोने-चांदी के जेवर, नगदी के साथ अन्य किमती सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दर्ज रिपोर्ट में पुलिस ने 20 प्रतिशत चोरी के मामले सुलझा पाई। दर्ज रिपोर्ट के आधार पर पुलिस महज 290 प्रकरणों को सुलझा पाई। इसी तरह चोरों से रिकवरी रेट भी औसत से कम रही। पुलिस ने कुल एक करोड़ 50 लाख 49 हजार 273 रुपए के माल चोरों से रिकवर कर पाई।

चोरी, नकबजनी उठाईगिरी करने सात गिरोह

जिले में एक साल के भीतर जितनी चोरी, उठाईगिरी, नकबजनी की घटनाएं हुई है। उनमें प्रमुख रूप से सात गिरोह ने घटना को अंजाम दिया है। इनमें दो लोकल पारधी तथा देवार गिरोह था शेष अन्य गिरोह में बिहार, कटिहार, महाराष्ट्र, नागपुर तथा पुणे, झारखंड, साहेबगंज तथा तामिलनाडु गिरोह से जुड़े अपराधी शामिल रहे।

70 प्रतिशत से अधिक सड़क दुर्घटनाएं लायसेंसी वाहन चालकों से, अब देंगे गाड़ी चलाने का व्यावहारिक ज्ञान

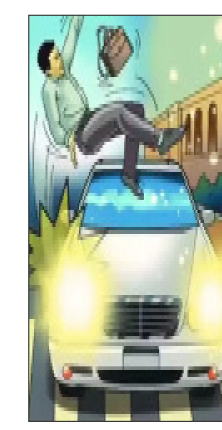

इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, छत्तीसगढ़ (आईडीटीआर) के अध्ययन से ये तथ्य सामने आया है कि अधिकांश दुर्घटनाएं वैध ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के कारण होती हैं। वैध लाइसेंस धारकों में से 70 प्रतिशत से अधिक गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। आईडीटीआर द्वारा किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अधिकांश चालकों के पास सड़क पर वाहन चलाने के लिए पर्याप्त ज्ञान या व्यावहारिक प्रशिक्षण की कमी है।

इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उद्घाटन किया गया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस माह को सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए जागरूकता माह के रूप में निर्धारित किया है। संयोगवश, नए साल के स्वागत के साथ-साथ जनवरी में भी पिछले कुछ वर्षों से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी जा रही है। भारत में प्रति वर्ष सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

पैदल चलने वाले सबसे अधिक हादसे के शिकार

इसके अलावा आंकड़े बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक मौतें पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और दोपहिया वाहन चालकों जैसे कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की होती है, जिससे यह तथ्य सामने आता है कि सड़क पर वाहन चलाने के लिए शिक्षा और जागरूकता एक अत्यंत आवश्यक शर्त है।

अब सिखाएंगे सही तरीके से गाड़ी चलाना

इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, छत्तीसगढ़ ने पूरे महीने में कई शैक्षिक सत्र आयोजित करने की योजना बनाई है और सभी चालकों को औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और ट्रक, बस, ऑटो और स्कूल चालकों के विभिन्न संघों के साथ सहयोग करेगा। प्रशिक्षण के अंत में चालकों को सड़क नियमों और विनियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए सहभागिता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया जाएगा।

एक्सपो में राज्य के ऑटो डीलरों के दो सौ से ज्यादा स्टॉल सजेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

गैर व्यवसायिक वाहनों में लाइफटाइम 50 प्रतिशत रोड टैक्स में छूट की घोषणा के साथ 20 जनवरी से 5 फरवरी तक आयोजित होने वाले ऑटो एक्सपो में सात नई गाड़ियों की लांचिंग होगी। राडा के अध्यक्ष रविंद्र भसीन तथा फाडा के अध्यक्ष विवेक गर्ग के अनुसार, इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में वाहनों की रिकार्ड बिक्री होने की उम्मीद है। ऑटो डीलर एसोसिएशन के अनुसार, इस बार पिछले वर्ष की तुलना में डेढ़ गुना ज्यादा वाहन बिक्री होने की संभावना है।

- सात नई गाड़ियों की होगी लांचिंग, 40 हजार गाड़ियां बिक्री होने का अनुमान

ऑटो डीलर एसोसिएशन के अनुसार वाहन बिक्री में वृद्धि होने की एक बड़ी वजह जीएसटी छूट मिलना है। ऐसी स्थिति में मध्यम रेंज की गाड़ियों की इस बार डिमांड ज्यादा रहेगी। ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए राज्य के अलग-अलग शहरों से दो सौ के करीब ऑटो डीलर ऑटो एक्सपो में स्टाल लगाएंगे। ग्राहकों को आकर्षित करने ऑटो डीलर उन्हें आकर्षक के साथ ही सरप्राइज उपहार देने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे वे ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा

ऑटो एक्सपो में वाहन खरीदने आने वाले लोगों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए रोज शाम को सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। इसमें राज्य की सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। वाहन खरीदने आने वाले लोगों के लिए एक्सपो के बाहर फूड स्टाल भी लगाए जाएंगे। वाहन बिक्री के साथ ही नियमित आरटीओ के साइट में ऑटो डीलर अपने वाहन बिक्री का डेटा अपलोड करेंगे।

आकर्षक का केंद्र रहेंगे ई-व्हीकल

ई-व्हीकल की बढ़ती डिमांड को देखते हुए ई-व्हीकल के ऑटो डीलर एक्सपो में ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकने की उम्मीद है। ज्यादातर दोपहिया के साथ चारपहिया वाहन के चालक पेट्रोल खर्च से बचने ई-व्हीकल खरीदने के इच्छुक हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष अन्य वर्षों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री डेढ़ से दो गुना वृद्धि होने की उम्मीद है।

सात नई गाड़ियों की लांचिंग

ऑटो एक्सपो में सात नई गाड़ियों की लांचिंग की जाएगी। इनमें प्रमुख रूप से टाटा सहित अन्य कंपनियों की गाड़ियां शामिल हैं। एक्सपो में नए मॉडल की दोपहिया वाहन की भी लांचिंग की जाएगी। गाड़ी फायनेंस कराने वालों के लिए मौके पर फायनेंस कंपनियां उपस्थित रहेंगी। लोग मौके से ही अपने आवश्यक दस्तावेज के साथ डाउन पेमेंट देकर नई गाड़ी फायनेंस करा पाएंगे।

वंदे भारत एक्सप्रेस में अब महिला टीटीई को टिकट जांच की जिम्मेदारी, महिला दिवस तक रहेंगी तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नए साल की शुरुआत से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में नई व्यवस्था की गई है। इसके तहत टिकट जांच का जिम्मा महिला टीटीई को सौंपा गया है। दो पुरुषों के साथ तीन महिला कर्मचारियों ने इस ट्रेन में नागपुर तक टिकट जांच की और वापसी में इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया। एक और महिला टीटीई की इसमें ड्यूटी लगाने का निर्णय है। वंदे भारत ट्रेन रेलवे की विशेष ट्रेन है। आधुनिक ▶▶| शेष पेज 11 पर

इनको पहले दिन मिली जिम्मेदारी

रेलवे ने साल के पहले दिन जिन चार महिला कर्मचारियों की टिकट जांच में ड्यूटी लगाई, उनमें नेहा गुजर, निशा सिन्हा, प्रीति व प्रियंका यादव शामिल हैं। सभी कोट-टाई वाली इस यूनिफार्म को पहनकर ट्रेन में ▶▶| शेष पेज 11 पर

सदर इलाके में मेन पाइप लाइन से कनेक्शन देने आधा दर्जन स्थानों पर सड़क की खुदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन-4 क्षेत्र स्थित स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड के सदर बाजार इलाके में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के तहत उपभोक्ताओं को मेन लाइन से कनेक्शन देने के नाम पर सड़क उधेड़ी जा रही है, जिससे इस मार्ग पर आने-जाने वालों को ▶▶| शेष पेज 11 पर

- ऊपर तक छोड़ दिए पत्थर, दुर्घटना का खतरा

माशिम सहित सीबीएसई की भी प्रायोगिक परीक्षाएं 1 जनवरी से प्रारंभ

प्रायोगिक परीक्षा होते ही अपलोड करने होंगे अंक, बाद में नहीं बदल सकेंगे नंबर

अनुपस्थित छात्रों को घोषित किया जाएगा अनुत्तीर्ण, सभी के लिए हाजिरी अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

सीबीएसई स्कूलों में 10वीं-12वीं की प्रयोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से प्रारंभ हो चुकी हैं। स्कूलों को 14 जनवरी तक प्रायोगिक कार्य पूर्ण करने होंगे। इसके बीच सीबीएसई ने प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर रिमाइंडर जारी किया है। इसमें स्कूलों को सभी असेसमेंट को आसानी से और समय पर पूरा करने के लिए बोर्ड की गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। निर्देश में स्कूलों को कहा गया है कि अभिभावकों और बच्चों को प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटरनल असेसमेंट के शेड्यूल के बारे में पहले से बता दिया जाए ताकि सख्ती से पालन हो सके। तय एग्जाम से पहले अच्छी प्रैक्टिकल आंसर बुक छात्रों को मिल जाएं। निर्देश में आगे कहा गया है कि एक्सपेरिमेंट और प्रैक्टिकल काम को आसान बनाने ▶▶| शेष पेज 11 पर

सीजी बोर्ड की भी प्रायोगिक परीक्षाएं प्रारंभ

इधर, सीजी बोर्ड की भी प्रायोगिक परीक्षाएं एक जनवरी से प्रारंभ हो गई हैं। माशिम द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, 20 जनवरी तक प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्ण करनी होंगी। माशिम की प्रायोगिक परीक्षाएं अब तक 10 जनवरी से शुरू होती रही हैं, लेकिन साल में दो बार होने वाली परीक्षाओं को देखते हुए इस बार प्रायोगिक परीक्षाएं शीघ्र आयोजित की जा रही हैं। मुख्य परीक्षाएं भी मार्च के स्थान पर फरवरी में आयोजित होंगी।

... तो रद्द हो जाएगी परीक्षा

इसके अलावा सीबीएसई ने प्रैक्टिकल एग्जाम, प्रोजेक्ट्स और इंटरनल असेसमेंट को लेकर जारी किए अपने रिमाइंडर में आगे कहा है कि असेसमेंट वाले दिन ही मार्क्स अपलोड करने होंगे। अंक अपलोड के बाद सुधार की अनुमति नहीं होगी। नेशनल या इंटरनेशनल लेवल के स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट्स को कोई छूट नहीं दी जाएगी और उनके लिए अलग से प्रैक्टिकल नहीं कराए जाएंगे। कक्षा-12वीं के लिए बार्ड द्वारा अपॉइंट किए गए एक्सटर्नल एग्जामिनर ही प्रैक्टिकल ▶▶| शेष पेज 11 पर

चकल्लस

खुद ही याचक खुद ही दाता...

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े विभाग में एक आईएएस की भूमिका खुद ही याचक और खुद की दाता के रूप में नजर आ रही है। साहब स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने अस्पतालों में निर्माण और दवा की आपूर्ति बनाए रखने की जिम्मेदारी उठा रहे थे। कुछ दिनों में तबादला सूची जारी हुई और उनके कंधों पर मेडिकल कॉलेजों और उससे संबंधित अस्पतालों को बेहतर बनाने का भार दे दिया गया। सीजीएमएससी के कामकाज से वाकिफ हो चुके साहब अब चिकित्सा शिक्षा और उससे संबंधित अस्पतालों की लंबित मांगों और समस्याओं से रूबरू हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि साहब ही चिकित्सा शिक्षा और बेहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की नैया को पार लगा सकते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुखिया होने के नाते वे डिमांड भी भेज सकते हैं और सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक के रूप में उसे सप्लाई भी करा सकते हैं।

एंट्री गेट की पुरानी राजनीति

लोकार्पण होने के बाद भी शासकीय मेडिकल कॉलेज में लाखों रुपए की लागत से बनाए गए विशाल एंट्री गेट से स्टाफ और विद्यार्थियों की एंट्री बंद है। कॉलेज के बाहर बनाए गए इस गेट की भव्यता साफ नजर आ रही है, मगर कॉलेज से जुड़े विपक्षी वर्ग इसे राजनीति के नजरिए से देख रहे हैं। उनका तर्क है कि कॉलेज में आवाजाही पुराने गेट से हो रही है तो नए गेट का खर्च कॉलेज की सुविधा विस्तार के लिए किया जाना था। कॉलेज के पुराने विशेषज्ञों का कहना है कि गेट की नींव तो पांच साल पहले ही भारी विरोध के बीच रखी जा चुकी थी और उस दौरान ही लाखों रुपए का वारा न्यारा करने की योजना तैयार की जा चुकी थी।

नाम के प्रवक्ता...

देश के दो बड़े राजनीतिक दलों के प्रदेश में थोक में प्रदेश प्रवक्ता बने हैं। खबरी बता रहा था, इन पार्टियों ने जिनको प्रवक्ता बनाया है, उसमें से कुछ ही काम के हैं और बाकी सिर्फ नाम के हैं। कुछ गिने-चुने प्रवक्ताओं के ही जहां बयान सामने आते हैं, वहीं ये चेहरे ही ज्यादातर टीवी चैनलों में भी नजर आते हैं। इससे इतर दोनों दलों में कई ऐसे नेता हैं, जिनको प्रवक्ता या कोई पद नहीं दिया गया है, लेकिन ये मुखर नेता हैं। इनकी किस्मत खराब है, जो ये पद में न होने के कारण अपनी प्रतिभा का उपयोग नहीं कर पाते हैं, लेकिन कुछ मुखर नेता जुगाड़ू भी हैं, ये जुगाड़ लगाकर टीवी चैनलों में चले जाते हैं और डिबेट में बोलते हैं।

11 ने ही पी शराब

न्यू ईयर की रात हो और जमकर धमाल हो और लोग इतने शरीफ हो जाएं कि शराब को हाथ तक न लगाएं...इतना सतयुग नहीं आया है। मतलब कौन मानेगा। लेकिन हमारी पुलिस थर्टी फर्स्ट की रात बड़ी दरियादिल बन गई थी। पीकर गाड़ी चलाने वाले के चालान ऊंगलियों पर गिनने लायक बने। मतलब 11 ही केस। आप समझ रहे हो। खबरी बता रहा था कि अगर किसी भी रात किसी भी सड़क पर जांच कर ली जाए तो सौ दो सौ तो पियक्कड़ गाड़ी चलाते हुए मिल जाएंगे। लेकिन थर्टी फर्स्ट को सब शरीफ बन गए। अब इसके लिए पुलिस की आलोचना नहीं करनी चाहिए। पुलिस वाले भी इंसान हैं...। छोड़िए काहे किसी की रात काली करनी। जाने देते हैं।

एजेंडा की शार्टेज ...

एक्स मेयर अपने कार्यकाल के आखिरी महीनों में इतने एक्टिव रहे कि हर पखवाड़े में एमआईसी की मीटिंग बुला लेते। वन मैन आर्मी की मीटिंग इतनी खास कि मजाल हो किसी मेंबर की, जो चूं-चपड़ करे। सो एजेंडा भी उनकी पसंद का और सहमति भी उनकी। ठेका से लेकर ठेला-गुमटी, परमीशन से लेकर रिजेक्शन का पॉवर हाथ में लेकर चलते। जब से ट्रिपल इंजन की सरकार आई, कार्पोरेशन में मेजोरिटी के साथ मैडम के कब्जे में कुर्सी है, पर मीटिंग के लिए एजेंडा न खाटी मेंबर दे पा रहे, न नए नवेले को एजेंडा तैयार कराने का तजुर्बा है। सो बिना एजेंडा के मीटिंग इटिंग और सीटिंग की तारीख तय नहीं हो पा रही।

जब जागे तभी सबेरा

आपको याद होगा कि रायपुर में एक बार कुत्तों ने मजदूर के मासूम को नोंच-नोंचकर मार डाला था। तब के महापौर दुबे जी ने कुत्तों के खिलाफ अभियान चलाने का आदेश दिया था। कुछ दिन बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। यह अलग बात है कि कुछ दिन पहले ही उनके बेटे को ही कुत्तों ने काट लिया है। खैर...। जब डीडी नगर के आसपास पीलिया फैला और कई लोग अपनी जान गंवा बैठे तब भी जल विभाग ने अभियान चलाया। कुछ दिन बाद सब ठप। सांड ने उठाकर किसी को पटक दिया तो सांड के खिलाफ अभियान...चला, फिर ठप। अब इंदौर की घटना के बाद निगम जाग गया है, एक-एक पाइप लाइन की जांच की जा रही है। देखते हैं कब तक...।

सब गोलमाल है...

हेराफेरी पिक्चर देखी है आपने? वही जिसमें बाबू भाई के नुमाइंदे गलत दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने जैसे ही कलम उठाते हैं वैसे ही पीछे से आवाज आने लगती है-सब गोलमाल है भाई, सब गोलमाल है...। ऐसा वाला सीन इन दिनों पापुनि के दफ्तर में चल रहा है। पिछले साल जो गड़बड़ियां हुई उसके बाद मैडम क्लीन ने कड़ाई से जांच करते हुए बता दिया कि कहां-कहां, कितनी-कितनी गड़बड़ चल रही है। इसके बाद सबकुछ ठीक नहीं हुआ, बल्कि सबकुछ फिर से पुराने ढर्रे पर आ गया। मैडम ने निर्धारित संख्या में किताबें छापनी की बात रिपोर्ट में लिखी तो इधर वाले साहब ने किताब के पन्ने मोटे कर दिए, इससे लागत और वजन दोनों ही बढ़ गए हैं। अब आगे आप खुद ही समझिए...।

जल्दी सेटिंग करो भाई

पीएससी वालों को प्राध्यापकों की भर्ती करनी है, मतलब करनी थी पिछले साल से। लेकिन हो नहीं पा रही है। ऐसा नहीं है कि हमारे यहां पढ़े-लिखे, ऊर्जावान, कर्मशील और जोशीले नौजवानों की दिक्कत है बल्कि सेटिंग नहीं हो पा रही है ठीक से। ये उच्च शिक्षा विभाग वाले भी ना... अलग ही किस्से-कहानी सुनाते रहते हैं। अब जो बात है वो साफ-साफ बता देनी चाहिए कैंडिडेट्स को। कम से कम बेचारे दूसरी जगह अपना ठिकाना तो तलाशेंगे। इधर, कॉलेज के भी बच्चे... प्रोफेसर हैं नहीं तो पढ़ाई-लिखाई छोड़कर यहां-वहां घूम रहे हैं। राजनीति भी करने नहीं दे रहे हैं। अब करें तो क्या ही करें?

किसानों के नए दुश्मन

छत्तीसगढ़ में किसानों के हित में सरकार भले ही कितनी ही योजनाएं चलाए, लेकिन फिर भी किसानों के दुश्मन कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। किसान पहले सूखा, बाढ़, कीट प्रकोप, उपज न बिकने वगैरह से परेशान रहा करते थे। अब किसानों के सिर पर नई परेशानी खड़ी है। राज्य में किसानों के खेतों को पानी पिलाने के लिए गांव-गांव में सौर ऊर्जा के सोलर पंप लगाए गए हैं। इनके केबल, पंप, पाइप आदि चोरों के निशाने पर हैं। लगातार चोरियां हो रही हैं, पुलिस थानों में हजारों रिपोर्ट भी दर्ज हैं, लेकिन न चोर पकड़े जा रहे हैं, न चोरी रुक रही है। किसानों पर ये नए दुश्मन बहुत भारी पड़ रहे हैं।

ये निजता का उल्लंघन...

सरकारी आफिस से लेकर स्कूलों तक में अब सरकार कर्मचारियों और गुरुजनों की हाजिरी को लेकर गंभीर हो गई है। पहले की व्यवस्था में जब हाजिरी रजिस्टर में होती थी, तब कभी भी आकर या हफ्ते में एक बार सभी दिनों की पूरी हाजिरी एक साथ लगा दी जाती थी, अब ये नहीं चल रहा है, आने-जाने के समय पर मोबाइल एप के माध्यम से अटेंडेंस लग रही है। कर्मचारी नेता इस व्यवस्था का विरोध खुले मुंह और मुंह बंद करते भी कर रहे हैं। दलील ये है कि ये निजता का उल्लंघन है और इसकी वजह से साइबर अपराध बढ़ने की चिंता भी जताई जा रही है। खबरी को पता लगा है कि हाजिरी की यह व्यवस्था सबसे अधिक कर्मचारी नेताओं को भारी पड़ रही है। आलसी और कामचोर कर्मी सरकारी काम के समय अपने निजी काम कर लिया करते थे, क्या यही उनकी निजता का उल्लंघन है।

परदे के पीछे क्या है?

सियासी दल प्रवक्ता इसलिए बनाते हैं ताकि वह विपक्षी पार्टी की धज्जियां उड़ाए। उनकी कमजोरी उजागर करे और अपनी पार्टी का बचाव करे। लेकिन कांग्रेस का मामला ही अलग है। कांग्रेस प्रवक्ता ने अपनी ही पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेताओं पर सवाल उठा दिया। कहा कि झीरम का सच सामने लाने के लिए उनका भी नार्को टेस्ट करवाना चाहिए। प्रवक्ता की मांग से पार्टी में खलबली मच गई। बात प्रदेश प्रभारी तक पहुंची। उन्होंने नाराजगी जताई और पार्टी ने प्रवक्ता से पद छीन लिया। अब पार्टी के धुरंधर यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि आखिर इसके पीछे कौन था?

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

एसआईआर में 2003 की सूची से मिलान नहीं, पांच लाख से ज्यादा मतदाताओं को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। ऐसे मतदाता, जिनका एसआईआर की गणना चरण के दौरान प्राप्त गणना पत्र में वर्ष 2003 की एसआईआर मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया है अथवा अंतर पाया गया है। ऐसे राज्य में नोमैपिंग वाले मतदाताओं की संख्या 6 लाख 40 हजार 145 है, जिसमें से ईआरओ/एईआरओ द्वारा लगभग 5 लाख 68 हजार 804 मतदाताओं के लिए नोटिस दिए किए जा चुके हैं।

नोटिस प्राप्त होने पर संबंधित मतदाता अपने विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ/ एईआरओ के समक्ष भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य निर्धारित 13 दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। नियमानुसार सुनवाई तथा प्रस्तुत दस्तावेज का परीक्षण कर ईआरओ द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने या न जोड़ने का निर्णय लिया जाएगा। ऐसे मतदाता, जिन्होंने अपना गणना पत्र नहीं भरा था, या किसी अन्य कारणों से उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में नहीं आ पाया हो, वे अपना नाम जोड़ने के लिए आवश्यक दस्तावेज संलग्न करते हुए घोषणापत्र सहित फार्म 6 में अपना आवेदन ऑनलाइन या ऑफलाइन जमा कर सकते हैं।

साथ ही मतदाता सूची में दर्ज अपने विवरण में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए घोषणापत्र सहित फार्म 8 में आवेदन कर सकते हैं। प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किसी नाम के संबंध में आपत्ति प्रस्तुत करने या नाम विलोपन हेतु घोषणापत्र सहित फार्म 7 में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। राज्यभर में अब तक नाम जोड़ने हेतु 28 हजार 881 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि नाम विलोपन हेतु 809 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं 11 हजार 28 ऐसे लोगों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन्होंने सुधार करने के लिए आवेदन किया है।

नो मैपिंग वाले मतदाताओं से मांगे गए हैं दस्तावेज

14 फरवरी तक सुनवाई

सभी प्राप्त दावों एवं आपत्तियों पर संबंधित विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ/एईआरओ द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 14 फरवरी तक सुनवाई एवं आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सुनवाई एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात पात्र पाए गए दावों एवं आपत्तियों का विधिवत निर्णयन करते हुए 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपील की है कि साप्ताहिक रूप से प्राप्त दावा एवं आपत्ति की सूची का अवलोकन कर सभी पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने तथा अपात्र मतदाताओं के नाम विलोपन में सहयोग प्रदान करें।

चिंगरी नाला का गंदा पानी नदी में मिल रहा, अधिकारियों को 5 दिन का अल्टीमेटम

कहा- जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ की तो नपेंगे अधिकारी

खारुन नदी में जा रहा नाले का गंदा पानी, विधायक मूणत भड़के

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर पश्चिम विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप ने रविवार को सुबह 5 घंटे तक फील्ड पर रहकर शहर की ड्रेनेज, व्यवस्था और सरोना डंपिग यार्ड का निरीक्षण किया। चंदनीडीह में बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान श्री मूणत तब बेहद नाराज हुए, जब उन्हें पता चला कि चिंगरी नाले का बदबूदार पानी सीधे खारुन नदी में मिल रहा है। अधिकारियों को फटकार लगाते हुए उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से एसटीपी प्लांट लगाने का क्या औचित्य, जब नाले का दूषित पानी नदी में जा रहा है। आपकी हठधर्मिता का खामियाजा जनता क्यों भुगते? राजेश मूणत ने अधिकारियों को 5 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि चिंगरी नाले के पानी शुद्धिकरण के लिए तत्काल प्लान

तैयार करें। इसमें राशि की कमी नहीं होने दी जाएगी। रायपुर पश्चिम विधायक ने दो टूक शब्दों में कहा कि जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया तो बर्दास्त नहीं किया जाएगा। महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि रायपुर में इंदौर जैसी कोई भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चंदनीडीह स्थित 75 एमएलडी एसटीपी प्लांट और स्कॉडा कंट्रोल रूम का जायजा लिया। मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खारुन नदी की पवित्रता बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित करें कि नालों का गंदा पानी नदी में मिलने के बजाय सीधे प्लांट तक पहुंचे।

महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त विश्वदीप की उपस्थिति में 5 घंटे तक सरोना, चंदनीडीह क्षेत्र का दौरा

बायपास का प्रस्ताव भेजने के निर्देश

चिंगरी और पीहर नाला के निरीक्षण दौरान विधायक राजेश मूणत ने अपना विजन साझा किया। इसके साथ ही सरोना बस्ती में ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्होंने चंदनीडीह से सरोना होते हुए महादेवघाट तक एक बायपास रोड के निर्माण के लिए बजट में प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत भारत सरकार से स्वीकृत 9 करोड़ की राशि से बनने वाले भव्य उद्यान के लिए श्री मूणत ने सरोना स्थित शीतला मंदिर के पीछे रिक्त भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही राजस्व अधिकारियों और पटवारी को जमीन का सीमांकन कर लेआउट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

ये रहे उपस्थित

निरीक्षण के दौरान महापौर मीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप, जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, वार्ड पार्षद महेंद्र औसर, अपर आयुक्त विनोद पांडेय, अधीक्षण अभियंता पी. राजेश नायडू, इमरान खान, जोन 8 कमिश्नर राजेवश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, स्वच्छ भारत मिशन के सहायक नोडल अधिकारी योगेश कडू, सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, उप अभियंता रमेश पटेल सहित निगम अधिकारियों की उपस्थिति रही।

महापौर मीनल ने लगाई फटकार

चिंगरी नाला के प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान पता चला कि वहां भारी मात्रा में कचरा जमा है, जिसकी सफाई नगर निगम द्वारा नहीं कराई गई है। सिस्टम बनाने के बाद प्रापर सफाई नहीं होने पर महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को फटकार लगाई, और वहां अभियान चलाकर सुव्यवस्थित तरीके से सफाई करवाने अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि व्यवस्था के तहत नाले का गंदा पानी ओवरफ्लो ना हो और पूरा पानी एसटीपी में जाए।

सरोना डंपिंग यार्ड 80 फीसदी कचरा साफ, अब होगा सीमांकन

निरीक्षण दल रविवार की सुबह सबसे पहले सरोना डंपिंग यार्ड पहुंचा। यहां पोकलेन मशीनों से कूड़ा हटाने का काम अनुबंधित एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। करीबन 80 फीसदी क्षेत्र साफ किया जा चुका है। रायपुर पश्चिम विधायक और महापौर ने अधिकारियों को शेष कार्य जल्द पूरा कराने और सरोना की रिक्त शासकीय भूमियों का तत्काल सीमांकन करने के निर्देश दिए। इन भूमियों पर जनहित की नई परियोजनाएं शुरू करने शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए चयन ट्रायल 6-8 तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में राज्य की ओर से खेलने वाली टीमों के चयन के लिए ट्रायल 6 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर और बिलासपुर में आयोजित किए जा रहे हैं। नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इसमें भागीदारी के लिए वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के खिलाड़ियों का ट्रायल रायपुर में आयोजित किया गया है। वहीं तीरंदाजी, एथलेटिक्स और तैराकी के खिलाड़ियों के ट्रायल बिलासपुर में होंगे। इच्छुक खिलाड़ी मोबाइल नम्बर पर फोन कर या वेबसाइट के माध्यम चयन ट्रायल संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ी अपना ऑनलाइन पंजीयन क्यूआर कोड और रजिस्ट्रेशन लिंक से कर सकते हैं। सभी ट्रायलस्थलों पर ऑफलाइन पंजीयन भी किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के स्थायी निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे। महिला एवं पुरूष दोनों वर्गों में पात्र खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने ट्रायल में हिस्सा लेने पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों से अपने अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र और आधार कॉर्ड/स्थानीय प्रमाण पत्र की मूल कॉपी (Original Copy) साथ लाने को कहा है।

रायपुर में होंगे वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के ट्रायल : रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में 6 जनवरी सुबह 9 बजे से वेट-लिफ्टिंग, 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से कुश्ती तथा 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से फुटबॉल के लिए ट्रायल होंगे। 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल होगा।

खरीदी के 20 दिन शेष

प्रदेश के पंजीकृत किसानों में से आधे बेच पाए धान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई थी। राज्य के 2739 खरीदी केंद्रों के माध्यम से 34 दिनों में अब तक 14 लाख से अधिक किसानों से 77.80 लाख टन धान की खरीदी हो चुकी है। प्रदेश में 27.40 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था। 31 जनवरी तक होने वाली खरीदी के लिए अब 20 दिन शेष बचे हैं। राज्य सरकार ने पिछले साल 149 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी की थी, इस साल धान उत्पादन करने वाले किसानों की संख्या बढ़ने और उत्पादकता को देखते हुए 160 लाख टन खरीदी का अनुमान है।

- **अनुमानित लक्ष्य तक पहुंचने बढ़ानी होगी खरीदी की अवधि**

अब तक 45 प्रतिशत खरीदी

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी हो रही है। अब तक सरकार ने लक्ष्य तय नहीं किया है, लेकिन यह अनुमान है कि 160 लाख टन धान की खरीदी हो सकती है। अगर इस अनुमान को देखा जाए तो अब तक मात्र 45 प्रतिशत धान की खरीदी पूरी हो पाई है। प्रदेश के 2739 खरीदी केंद्रों में से 1577 खरीदी केंद्रों में अब बफर स्टॉक की स्थिति है। कई जिलों की खरीदी केंद्रों में धान रखने की जगह नहीं होने के कारण दी गई लिमिट के बराबर धान नहीं खरीदा जा रहा है। खुले में पड़े धान की सुरक्षा की जिम्मेदारी समितियों पर डाल दी गई है।

परीक्षा पे चर्चा : बच्चों से अधिक पालकों को दिलचस्पी, पंजीयन कराने देश में अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- **81,533 पालकों ने कराया पंजीयन, यह देश में सर्वाधिक - 11 जनवरी तक पंजीयन करा सकते हैं छात्रों संग अभिभावक व शिक्षक**

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा पे चर्चा में प्रदेश के छात्रों से अधिक पालकों को दिलचस्पी है। इसके लिए पंजीयन 11 जनवरी तक होंगे। छात्रों के साथ ही अभिभावक और शिक्षक भी प्रधानमंत्री की इस चर्चा में शामिल होने पंजीयन करा सकते हैं। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के 81 हजार 533 पालकों ने इसके लिए पंजीयन कराया है। यह पूरे देश में सर्वाधिक है।

अर्थात पालक पंजीयन के मामले में छग देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक छत्तीसगढ़ से 25.16 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन किया है, जिनमें 22.75 लाख विद्यार्थी, 1.55 लाख शिक्षक और 81,533 पालक शामिल हैं। शासन निर्धारित तिथि तक 30 लाख पंजीयन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों को इसके लिए निमयिम रूप से प्रेरित किया जा रहा है। बच्चों और अभिभावकों तक इसकी जानकारी समूचित रूप से पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है।

सीएम साय ने कहा- सामूहिक प्रयास से मिली उपलब्धि

"परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त की गई यह उपलब्धि पूरे राज्य के विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि उत्सव के रूप में मनाने का जो संदेश दिया गया है, उसे छत्तीसगढ़ ने दिल से अपनाया है। कुल पंजीयन में देश में चौथा स्थान और पालक सहभागिता में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि हमारे यहां अभिभावकों में भी जागरूकता बढ़ी है और वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इसी उत्साह के साथ हम 30 लाख से अधिक पंजीयन के लक्ष्य को भी प्राप्त करेंगे और परीक्षा को तनावमुक्त बनाने के इस अभियान को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाते रहेंगे।"

जिला स्तर पर समीक्षा बैठक

वहीं सभी वर्ग मिलाकर कुल पंजीयन के मामले में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर चौथे स्थान पर है। बलोदाबाजार जिले में सर्वाधिक 14,658 तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 9,952 पालकों द्वारा पंजीयन किया गया है। शासन का कहना है कि इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे राज्य में अपनाई गई नवाचारपूर्ण रणनीतियां महत्वपूर्ण रही हैं। जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की गई, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों पर ऑन-साइट पंजीयन की व्यवस्था की गई तथा युवा क्लब और "अंगना म शिक्षा कार्यक्रम" के माध्यम से समुदाय को बड़े पैमाने पर जोड़ा गया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में आयोजित "परीक्षा पे चर्चा मेला" से एक ही दिन में 10,000 से अधिक पंजीयन दर्ज हुए, जबकि इससे पहले प्रतिदिन औसत पंजीयन लगभग 1500 के आसपास था। शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण स्थलों पर ही पंजीयन की व्यवस्था भी की गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को पंजीयन प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई और वहीं पर पंजीयन कराने में सहयोग दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षकों द्वारा बहुत बड़ी संख्या में पंजीयन किया गया।

जिनके एक लाख से ज्यादा के बिल, ऐसे सवा सौ बड़े बकाएदारों पर भी एक्शन

छोटे-बड़े बकाएदारों से रायपुर में वसूले 10 करोड़, लगातार बिजली कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

प्रदेश में दस लाख से ज्यादा बिजली के बकाएदारों पर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी बकाया वसूलने के लिए एक्शन ले रही है। राजधानी रायपुर में भी हजारों की संख्या में बकाएदार हैं।

जहां तक बड़े बकाएदारों का सवाल है तो प्रदेश भर में करीब छह हजार ऐसे बकाएदार हैं जिन पर एक लाख से ज्यादा का बकाया है। ऐसे बकाएदार रायपुर में 256 हैं। रायपुर में लगातार छोटे और बड़े बकाएदारों पर एक्शन लेकर उनकी बिजली कट करके बकाया वसूला जा रहा है। करीब एक माह में दस करोड़ की वसूली की जा चुकी है। रायपुर में 25 करोड़ का बकाया है। इस बकाया को पूरा वसूलने का अभियान चल रहा है।

पॉवर कंपनी हर साल जितनी बिजली बेचती है, उसका पूरा पैसा उसको नहीं मिल पाता है। आम उपभोक्ता भी नियमित रूप से बिजली का बिल जमा नहीं करते हैं। बीपीएल के 20 लाख उपभोक्ताओं में से आधे से ज्यादा तो बिल जमा ही नहीं करते हैं, लेकिन इनकी बिजली कभी कट नहीं होती है। लेकिन आम उपभोक्ताओं की बिजली जरूर कट कर दी जाती है। इस समय भी प्रदेश भर में लगातार अभियान चलाकर बकाएदारों की बिजली कट की जा रही है।

लगातार चलेगा अभियान

बकाएदारों पर लगातार अभियान चलेगा। चाहे छोटे हों या बड़े सभी पर एक्शन लिया जा रहा है। अब तक करीब 10 करोड़ की वसूली हो गई है। हमारे सर्किल में करीब 25 करोड़ का बकाया है। पूरी वसूली होते तक अभियान चलेगा।

- **महावीर विश्वकर्मा**, अधीक्षण अभियंता सर्किल वन

रायपुर में बड़ा एक्शन

रायपुर के सर्किल वन के हजारों उपभोक्ताओं पर 25 करोड़ से ज्यादा बकाया होने पर इसके खिलाफ बीते करीब एक माह से लगातार अभियान चलाकर इनकी बिजली कट की जा रही है। जिनके घरों पर स्मार्ट मीटर लगे हैं, उसके कनेक्शन तो सीधे गुढ़ियारी के कंट्रोल रूम से ही कट हो जा रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को तत्काल बिल जमा करना पड़ रहा है। जिनके भी कनेक्शन कट हो रहे हैं, वे दौड़े-दौड़े बिजली दफ्तर पहुंच रहे हैं और अपना बकाया जमा कर रहे हैं। जिनका ज्यादा बकाया है, वे किस्तों में बकाया जमा करने की सुविधा लेकर एक किस्त जमा कर अपना कनेक्शन वापस जुड़वाने का काम कर रहे हैं। जहां एक तरफ छोटे बकाएदारों पर एक्शन हो रहा है, वहीं एक लाख से ज्यादा के बकाएदारों पर भी एक्शन लिया जा रहा है। रायपुर के सर्किल वन में 256 ऐसे बकाएदार थे जिन पर एक लाख से ज्यादा का बकाया था। इसमें से करीब सवाल सौ बकाएदारों से वसूली हो गई है। बचे बकाएदारों से भी वसूली हो रही है। जो बड़े बकाएदार किस्तों में बकाया देने के लिए सहमत हो रहे हैं उनकी बिजली कट नहीं की जा रही है।

खबर संक्षेप

राजपुरोहित बाड़ा की भागवत कथा में सांसद बृजमोहन पहुंचे

आरंग। राजपुरोहित बाड़ा आरंग में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पावन अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल का गरिमामय आगमन हुआ। उनके सान्निध्य से संपूर्ण आयोजन और अधिक दिव्य, भव्य एवं प्रेरणादायक बन गया। सांसद ने व्यासपीठ के दर्शन कर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया तथा आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण मानव जीवन को धर्म, कर्म और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करने का अनुपम माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसी धार्मिक एवं आध्यात्मिक कथाएं समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं। उनके आगमन से कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आनंद का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन, आयोजन समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक आज

आरंग। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग द्वारा 05 जनवरी को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक राजीव भवन आरंग में दोपहर 1 बजे से आयोजित होगी। बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया तथा जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर (ग्रामीण) के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे की विशेष उपस्थिति रहेगी। इस बैठक में आरंग विधानसभा क्षेत्र के समस्त बी.एल.ए. की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कोमल सिंह साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसीजन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, अनुसूचित जाति विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, एन.एस.यू.आई., सेवादल, नगरीय निकाय के समस्त कांग्रेस समर्थित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, सरपंच एवं पंच सहित सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति प्रार्थनीय है। बैठक में संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की जाएगी।

राजा मोरध्वज महोत्सव स्थल का अफसरों ने किया निरीक्षण

आरंग। आरंग में 14 और 15 जनवरी को होने वाले राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई है। 15 जनवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा विख्यात कवि डॉ कुमार विश्वास के आगमन को लेकर आज जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयो ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। केबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के निर्देश पर उनके ओएसडी सुशांत राय तथा नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन की उपस्थिति में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह तथा ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह ने कार्यक्रम स्थल का अवलोकन किया तथा उपस्थित अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री तथा विभिन्न मंत्रियो के सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों के प्रवेश तथा पार्किंग व्यवस्था तथा आम नागरिकों के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को लेकर विचार विमर्श किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शांति चौक में बोर खनन के लिए हुआ भूमिपूजन

आरंग। आरंग नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 बैहार के शांति चौक में बोर खनन कार्य हेतु भूमि पूजन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने विधिवत भूमि पूजन कर बोर खनन कार्य की शुरुआत कराई। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए वार्डवासियों की पेयजल समस्या के समाधान के लिए इस कार्य को एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

छेरछेरा पर पारंपरिक गीतों की धूम और डंडा नृत्य करते लिया अन्नदान

बच्चे-किशोर और युवाओं की टोलियां सुबह से छेरछेरा का दान मांगने पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और सामूहिक जीवन दर्शन का प्रतीक छेरछेरा पर्व शनिवार पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर तिल्दा शहर सहित पास के सभी गावों में हर्षोल्लास के साथ बड़े उत्साह से मनाया गया.कड़ाके की ठंड के बावजूद छोटे-छोटे बच्चों किशोर और युवाओं की टोलियां सुबह से ही गांव और मोहल्ले में छेरछेरा का दान मांगने निकल पड़ी थी. इस मौके पर ढोलक मंदार और पारंपरिक गीतों के साथ डंडा नृत्य की चमक ने पूरे क्षेत्र को लोक संस्कृति के रंग में रंग दिया.सुबह से दोपहर तक छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेरते हेरा की गूंज मोहल्लो में सुनाई देती रही .घर-घर पहुंची टोलियो का लोगों ने खुले दिल से स्वागत किया और मुट्ठी भर भर कर धान का दान दिया. इस दौरान छेरछेरा पर्व की रौनक देखते ही बनती थी। छेरछेरा पर्व का मूल भाव है -सबका पेट भर कोई भूखा ना रहे. फसल कटाई के बाद जब घर-घर अन्न की भरपूरता होती है तब समाज के सभी वर्गों के साथ उसे बांटने की भावना सेइस पर्व को मनाया जाता है.लोक विश्वास है की पौष पूर्णिमा के दिन किया गया दान कई गुना पुण्य फल देता है, इसीलिए इस दिन अन्नदान को विशेष महत्व दिया गया है। लोक मान्यताओं के अनुसार प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ अंचल में जब काल और अभाव की स्थिति बनी तब समाज के लोगों ने तय किया कि जिनके पास अधिक अन्न है वह जरूरतमंदों को देंगे। इसी परंपरा से समय के साथ छेरछेरा का रूप ले लिया।

महिलाओं ने दिया दान

'छेरछेरा माई कोठी के धान ल हेर हेरा' जैसे लोकगीतों के माध्यम से लोग अन्न मांगते हैं. जो किसी भी प्रकार की भिक्षा नहीं बल्कि सम्मान जनक सामाजिक सहभागिता मानी जाती है ,शनिवार के दिन गांव गांव शहर मोहल्ले में बच्ची, युवा और लोक कलाकार टोली बनाकर घर-घर पहुंचे .कई लोग लोकगीत गाते चावल, दान, गेहूं ,सब्जी या सामर्थ्य अनुसार दान स्वीकार किया .कई स्थानों पर पारंपरिक वेशभूषा मांडर नगाड़ा और लोक नृत्य के वातावरण को भी जीवंत बना दिया। छेरछेरा को लेकर घरो में खासकर महिलाओ ने पहले से ही चावल .धान और अन्य दान की जाने वाली सामग्री तैयार कर रखी थी. सुबह होते ही घर-घर जाकर बच्चों और युवाओं की टोलियां ने लोकगीतों के साथ छेरछेरा किया.छेरछेरा बोलते बच्चो की आवाज सुनकर घरो से बाहर आकर सुपा में रखे धान चावल को मुठा से भर-भरकर दोनों हाथो से दिल खोलकर दान किया।

हादसा : सड़क हादसों में तीन की मौत और दो गंभीर

नाबालिग चालक का बुलेट नकटी में दुर्घटनाग्रस्त, दो भाइयों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा थाना क्षेत्र में हुई 2 अलग -अलग घटनाओ में जहा 2 लोगो की मौत हो गई,वही एक को घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भरती कराया गया है ,पहली घटना ग्राम नकटी के पास हुई। यहाँ एक सड़क हादसे में दुपहिया वाहन सवार दो भाइयो की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा रात करीब 7:30 बजे हुआ, जब तेज रफ्तार बुलेट अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे तार पोल से टकरा गई। जबकि दूसरी घटना ग्राम सरारी के पास हुई ,यह कार ने बाइक सवार को सामे से टक्कर मर दी। मिली जानकारी के अनुसार बरतोरी निवासी साहिल यादव अपने चचेरे भाई 14 वर्षीय भूपेश यादव को अपनी बुलेट में बिठाकर मां बंजारी मंदिर धाम खपरी मढी मेले में घूमने गया हुआ था. माता का दर्शन करने के बाद रात को जब दोनों वापस घर आ रहा थे . तभी ग्राम नकटी के पास रामदूत कंपनी के सामने रोड पर उनकी बुलेट अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे जाकर सीमेंट के पोल में लगी तारों से टकर गई ,इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के समय वहां कुछ लोग मौजूद थे उन्होंने तत्काल दोनों को उठाया और तिल्दा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सूचना देकर 108 को बुलवाया. अस्पताल पहुंचने के बाद जब डॉक्टरों ने देखा तो दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे की खबर के बाद बरतोरी गांव में मातम छा गया. मृतक रिश्ते में भाई थे. इसी तरह एक अन्य घटना में एक तेज गिरफ्तार करने बाइक सवार को सामने से टक्कर मार दी जिससे बाइक चला यू आर गंभीर रूप से घायल हो गया। रविवार शाम 4 बजे के आसपास यह घटना ग्राम सरारी के पास हुई. जानकारी के मुताबिक शशांक पहरी का रहने वाला एक युवक अपनी बाइक से तिल्दा मोबाइल बनवाने आया था शाम को वह जब वापस लौट रहा था तभी सरारी गांव के पास तेज रफ्तार आ रही कर सीजी 11 एजी 7402 ने सामने से टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है वही कर चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार महिला की मौके पर मौत, पति गंभीर

अभनपुर। रविवार को नेशनल हाईवे में अभनपुर–रायपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम कर दिया, जिससे यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जुरुम टेकारी निवासी बैसाखिन बाई बघेल (56) अपने पति केशव बघेल (57) के साथ मोटरसाइकिल से नवा रायपुर से अभनपुर की ओर लौट रही थीं। इसी दौरान मेनफोर्ट स्कूल के पास तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बैसाखिन बाई सड़क पर गिरकर हाइवा के चक्के के नीचे आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं केशव बघेल गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए और हादसे के विरोध में सड़क पर जाम कर दिया। सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायल को उपचार हेतु अभनपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हाइवा वाहन को जब्त कर लिया गया है।

गुरु दर्शन मेला की सफलता के लिए समिति अध्यक्ष का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंदिर हसौद

गुरु अमर दास दर्शन मेला के सफल आयोजन के लिए मेले समिति के अध्यक्ष नारायण प्रसाद कुर्रे का सम्मान किय गया। श्री कुर्रे की अध्यक्षता में विगत 25 वर्ष से मेले का आयोजन किया जा रहा है। बाराडेरा तुलसी में 2 जनवरी को दीप प्रज्वलित कर मेला का शुभारंभ किया । जहां दूसरे दिन बारा डेरा में गुरु गद्दी और जैतखंभ की पूजा अर्चना कर गुरु खुशवंत साहेब द्वारा पालो चढ़ाया गया। गुरू दर्शन के लिए पहुंचे वरिष्ट बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद अनुज शर्मा धरसीवां विधायक पंकज शर्मा पूर्व बैंक अध्यक्ष पप्पू राजेन्द्र बंजारे सुंदर लहरे और स्थानीय जन प्रति निधि सम्मिलित हुए ।मेला समिति अध्यक्ष नारायण प्रसाद कुर्रे ने बताया की जहां संत शिरोमणि गुरु घासीदास जी के पुत्र गुरु अमर दास के नाम से लगने वाले मेला जहां पूरे देश में बाराडेरा ही एकमात्र स्थल जहां गुरू घासीदास गुरू अमर दास और माता पातापुरहीन की गुरुद्वारा स्थित है। मेला आयोजक समिति और संत समाज द्वारा मेला के सफल आयोजन के लिए मेला समिति अध्यक्ष नारायण प्रसाद कर्रे का संत समाज द्वारा श्रीफल भेट कर सम्मानित किया गया । जिसमें सावल दास डहरिया रामेश्वर चतुर्वेदी राजमहंत ,विजय डहरिया राजमहंत बिरेंद्र कोसले महासचिव, जनक लाल खेलवार सर्वाकार लक्ष्मण घृतलहरे ,टामेश बघेल, , नरेंद्र कुर्रे जनपद प्रतिनिधि आरंग, घससु घृतलहरे , बिसत घृतलहरे, पुरुषोत्तम कुर्रे जगत खंडेलवाल लोकेश खेलवार घासू खेलवार विनेश बांधे पारस कोसले हिमांशु खेलवार सत्यप्रकाश बांधे ने किया।

टेनिस क्रिकेट में सगुनी की टीम की 4 विकेट से जीत

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सगुनी में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे 16 टीमो ने भाग लिया।फायनल मैच सगुनी व मुर्रा के बीच खेला गया। सगुनी की टीम ने टास जीत कर पहले फिल्डिंग करने का फैसला लिया। मुर्रा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट खो कर 75 रन बनाये। जिसके जवाब में सगुनी की टीम 7 ओवर 4 गेंदों में 6 विकेट खो कर मैच पर कब्जा जमाया।

इस तरह सगुनी की टीम 4 विकेट से विजयी रही। इस प्रतियोगिता के मैन आफ दी सीरीज हेमंत साहू मुर्रा व फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच दीपक यादव सगुनी को पुरस्कार दिया गया। वार्ड स्तरीय मैच में वार्ड क्रमांक 4 विजेता रहे,उप विजेता वार्ड क्रमांक 2 रहे। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी थे। विशिष्ट अतिथि रायपुर जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि शैल महेंद्र साहू, जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, दाऊ गुणवंत पाल हनुमन्ता रहे ।

इस अवसर पर सरपंच रजत कश्यप, उप सरपंच ज्ञानदास मानिकपुरी, तेजराम वर्मा, पंच प्रतिनिधि सीताराम साहू, पंच रामेश्वर साहू, पंच टेकराम यदु, महेंद्र जेठी, आनंद राम वर्मा, रामेश्वर विश्वकर्मा, सेवाराम वर्मा, नरोत्तम निषाद, ठाकुर राम कन्नौजे, रामा वर्मा, बिसरू निषाद, बुधराम वर्मा, रामजी साहू, नरसिंग वर्मा, दुखित साहू, पवन वर्मा, संतराम साहू, संजय वर्मा, अमरसिंह यादव,पीलाराम निर्मलकर, नकुल वर्मा, डेरहा राम साहू, धनेश्वर वर्मा, बलदाऊ वर्मा, कामता वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सरोरा में भागवत कथा व नवचंडी महायज्ञ 19 से

तिल्दा नेवरा। तिल्दा के समीपस्थ ग्राम सरोरा गोसदन में 9 दिवसीय श्री नव चंडी महायज्ञ और श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन होने जा रहा है।य माँ शीतला समितिके डी-डी अग्रवाल ने बताया कि 19 जनवरी से यह धार्मिक अनुष्ठान शुरू होगा। श्री नवचंडी महापज्ञ आचार्य श्री अजय मिश्रा, बनारस व बनारस के वैदिक पंडितो के आचार्यत्व में संपन्न होगी। कथा व्यास दंडी स्वामी श्रद्धेय प्रत्यक्यचैतन्य मुकुदानंद गिरी ब्रह्मचारी जी महराज ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ धाम हिमालय से पधार रहे है , जिनके सुमधुर ओजस्वी वाणी से श्रद्धालू कथा रस पान करेंगे 21 जनवरी सुबह यज्ञ मंडप से कलश शोभायात्रा निकलेगी। यात्रा कुंद से पवित्र जल लेकर गांवो का भ्रमण करते हुए यज्ञ मंडप तक जाएगी।
जय माँ शीतला समिति, अखिल भारतीय आध्यात्मिक उत्थान मंडल, शाखा -सरोरा के द्वारा आयोजित श्री नव चंडी महायज्ञ व श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 19 से 27 जनवरी 2026 तक़ चलेगा यज्ञ प्रतिदिन सुबह 07 बजे से 9 ।। वजे तक़ व श्रीमदभागवत कथा प्रतिदिन 02.30 बजे से 06.30 बजे तक होगी।

पेज 09 के शेष...

हाईकोर्ट भर्ती परीक्षा : व्यापम ने पूछी-ऑपरेशन...

वाले रहे। ड्रेस कोड अथवा प्रवेश संबंधित किसी तरह की वाद-विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई। गौरतलब है कि व्यापम द्वारा रंगों को लेकर स्पष्ट निर्देश बीते दिनों जारी किए गए थे।

इस तरह के...

दर्जा प्रदान किया गया? - हिंदी कैलेंडर के महीनों को उनके सही कालक्रम (क्रम) में व्यवस्थित कीजिए। - छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम के अनुसार, 'ग्राम सभा' की बैठक कितने महीनों में कम से कम एक बार आयोजित होनी चाहिए? - लोक गीत किस परंपरा से संचारित होते हैं? - भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट-2023 के अनुसार, वन और वृक्ष आवरण की स्थिति। - मल्टी यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम का प्रयोग किन चीजों के लिए होता है? - किस प्रकार की प्रकार की ई-गवर्नेंस सेवा नागरिकों को शिकायत दर्ज करने में मदद करती है?- कौन सा उपकरण इनपुट और आउटपुट दोनों उपकरणों के रूप में कार्य नहीं कर सकता है? - एक्सेल में कॉलम पर फिल्टर लागू करने के क्रम।
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का कौन सा घटक अस्पतालों के बीच रोगी डेटा का सुरक्षित आदान-प्रदान सुनिश्चित करता है?- सीपीयू के भीतर कंट्रोल यूनिट (सीयू) का मुख्य कार्य क्या है?

वंदे भारत एक्सप्रेस में अब महिला...

सुविधाओं से लैस इस ट्रेन की व्यवस्थाएं भी अन्य ट्रेनों से अलग होती हैं। यात्रियों को इसमें सफर करना खूब पसंद आता है। विशेषताओं में एक ट्रेन में टिकट जांच करने वाले टीटीई भी हैं, जिनकी ड्रेस का रंग व डिजाइन राजधानी एक्सप्रेस के स्टॉफ की तरह होता है। टीटीई को इसी यूनिफार्म में टिकट जांच करनी होती है। <B><B>सप्ताह में छह दिन परिचालन<B> वंदे भारत एक्सप्रेस बिलासपुर से नागपुर के बीच सप्ताह में छह दिन चलती है। शनिवार को परिचालन बंद रहता है। इस दिन ट्रेन का मेंटेनेंस व सफाई के कार्य किए जाते हैं। अब तो कोचिंग डिपो के पास इस ट्रेन के मेंटेनेंस के लिए अलग से शेड बनाया जा रहा है, जहां वॉशिंग लाइन से लेकर अन्य सुविधाएं रहेंगी।
इनको पहले दिन...
पहुंचीं। उनके हाथों में वॉकी-टॉकी व जांच के अन्य जरूरी साधन थे। इस ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह नया था। तीनों टीटीई अब नियमित इस ट्रेन में ड्यूटी करेंगी। महिलाओं की ड्यूटी होने से एक लाभ यह होता है कि यात्री बेवजह विवाद नहीं करते और बिना आपत्ति के टिकट जांच भी कराते हैं। रेलमंडल पर यह प्रयास कर रहा है कि 8 मार्च महिला दिवस तक इस ट्रेन में केवल महिला टिकट जांच स्टाफ ही तैनात रहे। इस ट्रेन के परिचालन की खास बात यह है कि सुबह छूटकर शाम 7.30 बजे तक नागपुर से बिलासपुर लौट आती है। इससे महिला टीटीई को ड्यूटी करने में आसानी होगी और रेलवे अपनी मंशा के अनुसार इस ट्रेन को और खास बना लेगा।

सदर इलाके में...

खासी परेशानी हो रही है। लोगों के घरों के सामने, मुख्य मार्ग, बिजली पोल के समीप बेतरतीब तरीके से सड़क खुदाई कर पाइपलाइन डाली जा रही है। ये वही सड़क है, जिसका कुछ माह पहले डामरीकरण किया गया था, पर दोबारा सड़क खुदाई करने से सड़क की दुर्गति हो गई है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा गंज मंडी और मोतीबाग पानी टंकी को कमांड एरिया बनाकर शहर के 14 वार्डों में 175 किलोमीटर की नई पाइपलाइन बिछाकर लोगों के घरों में 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए कनेक्शन दिया जा रहा है। इसके लिए अच्छी- खासी सड़क को उधेड़कर पाइपलाइन डालने का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है। भुक्तभोगियों का कहना है, पाइपलाइन डालने के बाद संबंधित सड़क को सही तरीके से पाटकर व्यवस्थित नहीं किया जा रहा है। सड़क के ऊपर बड़े पत्थरों को वैसे ही छोड़ दिया गया है। सदर बाजार में दुकानों के सामने सड़क खुदाई से भी लोग परेशान हैं। यह स्थिति पारख ज्वेलर्स वाली सड़क के सामने, सुरेश बुक डिपो के समीप बीच सड़क पर गड्ढा खोदकर पाइपलाइन डाली गई है। जबकि इस मार्ग पर लोगों की आवाजाही ज्यादा होती है, जिससे ट्रैफिक का दबाव आए दिन बना रहता है। <B>पानी का प्रेशर कम, इसलिए की खुदाई <B> प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी का कहना है कि सदर इलाके में ऐसे उपभोक्ता, जिन्होंने पूर्व में 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना का लाभ लेने नया कनेक्शन नहीं लिया, उनके द्वारा डिमांड किए जाने पर सड़क खुदाई कर नया कनेक्शन दिया जा रहा है। सदर बाजार के कुछ हिस्से और कमासीपारा में पानी का प्रेशर कम आने की शिकायत लोगों ने की है। इसलिए टीम भेजकर पाइपलाइन में पानी का प्रेशर जांचने सड़क खुदाई करानी पड़ी। अनुबंधित एजेंसी के प्रेशर ट्रांसमीटर में जांच करने पानी का प्रेशर संबंधित पाइंट पर कम आया। सड़क खुदाई कर जांच की तो पता चला, वहां चोक है और मिट्टी फंसी है। उसे क्लीयर किया गया है। अब दोबारा प्रेशर चेक करेंगे।

प्रायोगिक परीक्षा...

के लिए लैब में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सामान और इक्विपमेंट पूरी तरह से होने चाहिए। स्पेशल जरूरत वाले बच्चों के लिए इंतजाम किया जाना चाहिए ताकि वे आराम से प्रैक्टिकल एग्जाम दे सकें। स्टूडेंट्स स्कूल के तय शेड्यूल के हिसाब से असेसमेंट के लिए आएंगे। मार्क्स सिर्फ परफॉर्मेंस के आधार पर दिए जाएं।

... तो रद्द हो जाएगी...

असेसमेंट कर सकते हैं। किसी दूसरे एग्जामिनर का इस्तेमाल करने पर असेसमेंट रद्द हो जाएगा। गौरतलब है कि सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही हैं जो 10 अप्रैल को खत्म होंगी। प्रैक्टिकल सहित प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट 1 जनवरी से 14 फरवरी के बीच कराए जाएंगे।

तुलसी के सदगुरुधाम आश्रम में आगमन पर गुरुदेव दिए आशीर्वचन

प्रकृति में सब चीज है, कर्म के हिसाब से मिलता फल : स्वामी श्रीकृष्णानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंदिर हसौद

सदविप्र समाज सेवा एवं सदगुरु कबीर सेवा के संस्थापक दिव्य गुप्त विज्ञान के प्रणेता समय के सद्गुरु स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज का तुलसी की पावन धरा सदगुरुधाम आश्रम में दिव्य आगमन हुआ सतगुरुदेव जी ने इस नए साल की द्वितीय दिवस में सदविप्रो को अपने आशीर्वचन में कहा कि इस प्रकृति में सब कुछ विद्यमान है जिसका रिमोट दबाओगे वह आ जाएगा अच्छे का रिपोर्ट दबाओगे तो तुम्हें अच्छा मिलेगा बुरे का रिपोर्ट दबाओगे तो तुमको बुरा मिलेगा।

आगे सदगुरुदेव जी ने कहा कि इस समाज में कुछ ऐसे लोग होते हैं जो पद पैसा प्रतिष्ठा मिलने पर अहंकार आ जाता है और कुछ लोग ऐसे होते हैं जो राजा जनक की तरह होते हैं गीता में भी भगवान श्री कृष्ण ने जनक आदि ऋषि कहा है सदगुरु देव जी ने बताया कि गीता में उन्होंने सप्त ऋषि और जनक के अलावा किसी और ऋषि का उदाहरण नहीं दिया है आगे उन्होंने बताया कि क्यों श्री कृष्ण जी ने गीता में जनक का नाम लिया क्योंकि जनक पद पैसा प्रतिष्ठा सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर रहते हुए भी उनके अंदर बैराग्य था इसी प्रकार गुरुदेव जी कहते हैं की जो व्यक्ति पद पैसा प्रतिष्ठा सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर होते हुए भी वह वैराग्य में रहता है ,ऋषियों की तरह जीवन यापन करता है वही मुक्ति का अधिकारी होता है तो इस नए साल में आप भी संकल्प ले और पद पैसा प्रतिष्ठा में रहते हुए समाज में ऋषि की तरह रहो आगे गुरुदेव जी एक दो मुंहे पक्षी का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि हर इंसान के अंदर दो मुंह होता है, एक अहंकार की अति पर रहता है तो दूसरा बदले की ,जिस प्रकार दो मुंह पक्षी अहंकार की भावना में दूसरे को नीचा दिखाता है और दूसरा मुंह बदले की भावना में खुद के शरीर को विषैला फल खाकर नष्ट कर देता है, हम भी इसी प्रकार अहंकार की भावना और बादले की भावना में खुद का ही नुकसान कर देते हैं। सदविप्र समाज सेवा के अध्यक्ष आचार्य हेमंत साहू जी ने बताया कि कल 05 जनवरी से गुरूदेव जी तीन दिवसीय मुड़पार राजनांदगांव प्रवास में रहेंगे जहा सत्संग एवं ध्यान साधना का आयोजन होगा।

श्रीरामचरितमानस पाठ में हनुमंत चरित्र का वर्णन

रायपुर। पौष पूर्णिमा के अवसर पर मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर पर स्थापित श्री सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ किया गया। इस पर हनुमंत चरित पर विशेष रूप से चर्चा की गई। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाला साहू, सोमनाथ निषाद और परमांद पटेल और दीनदयाल साहू ने कहा कि श्री हनुमान जी का मानस में प्रवेश किष्किंधा कांड में होता है। जामवंतजी की प्रेरणा से हनुमानजी समुद्र का उल्लंघन करते है और माता सीताजी का संदेश भगवान श्रीराम को देते है। इस बीच हनुमानजी की सुरसा, सिहिंका और लकंनी के विरोध का सामना करना पड़ता है जिसे अपनी कुशाग्रता से हल करते है और विभिषणजी से मुलाकात होती है और माता सीता से मुकालात होती है और रावण के पराजय का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर महिला मंडली की वसंती मानिकपुरी, शीला शर्मा, माधुरी ठाकु आदि ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। समिति के अध्यक्ष मोहन लाल साहू ने बताया कि मंदिर का विकास कार्य जनसहयोग से जारी है। मंदिर सत्संग भवन के सामने लाखों की लागत से भव्य हवन कुंड का निर्माण किया गया और मंदिर परिसर में अन्य मकानों के निर्माण की रूप रेखा बनाई जा रही है।

स्ट्रीट फूड पर भारी 'मोमोज' अभी भी जांच के दायरे से बाहर, लगातार सेवन से हो सकते हैं बीमार

शहर के हर गली-मोहल्लों में खुली दुकानें, एफडीए नहीं दे रहा क्वालिटी पर ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी के स्ट्रीट फूड बाजार पर मोमोज के स्टॉल भारी पड़ने लगे हैं। हर गली-मोहल्ले में नजर आने वाले मोमोज के स्टॉल आम लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, मगर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इसे अब तक अपने जांच दायरे में नहीं लाया है। मैदा, पत्ता गोभी से बनाए जाने वाले मोमोज और उसके साथ परोसी जाने वाली चटनी की क्वालिटी लोगों के सेहत पर विपरीत असर डाल सकती है, मगर एफडीए इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

असंगठित बाजार होने की वजह से इसका कोई अधिकृत डाटा तो नहीं है, मगर जानकार सूत्रों का दावा है कि रायपुर समेत प्रदेश में मोमोज का कारोबार लाखों रुपए का हो चुका है। कई बड़ी कंपनियों के साथ गली-मोहल्ले और सड़क के किनारे सजने वाले मोमोज स्टॉल पर जुटने वाली भीड़ से ही इसकी डिमांड का अनुमान लगाया जा सकता है। हर वर्ग की पसंद बन चुके मोमोज की डिमांड लगातार बढ़ रही है, मगर खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता की जांच करने वाले खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इसे विस्तृत रूप से अपनी जांच के दायरे में नहीं लाया है।

रायपुर समेत पूरे प्रदेश में इसकी जांच के नाम पर औपचारिकता पूरी की गई है। जानकारों का दावा है कि मोमोज बनाने में जिन वस्तुओं का उपयोग किया जाता है, उसकी क्वालिटी अगर सही न हो तो यह सेहत पर विपरीत असर डाल सकता है। मोमोज का बढ़ता क्रेज और लगातार उपयोग से आम लोगों के स्वास्थ्य पर बढ़ते जोखिम को देखते हुए इसे विस्तृत रूप से जांच दायरे में लाने की आवश्यकता है।

बन सकती है पेट की परेशानी

चिकित्सकों के मुताबिक मोमोज का बाहरी लेयर मैदे से बना होता है, जिसके कारण कब्ज, अपच और पेट फूलने की शिकायत हो सकती है। रोजाना मोमोज खाने से कैलोरी तो भरपूर मिलती है, लेकिन शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे पोषण का असंतुलन पैदा हो सकता है। इसके साथ परोसी जाने वाली चटनी अक्सर नमक और अनहेल्दी फैट्स से भरपूर होती है। ज्यादा सोडियम शरीर में पानी जमा करने लगता है और पाचन तंत्र पर दबाव डाल सकता है, साथ ही इससे ब्लडप्रेशर भी बढ़ सकता है।

धमतरी में हो चुका मामला

पिछले महीने धमतरी जिले के मगरलोड में मोमोज का शौक लोगों को अस्पताल पहुंचाने का कारण बन गया था। इसके सेवन के बाद पेट दर्द और उल्टी की शिकायत पर करीब 20 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। सही समय पर इलाज की वजह से किसी तरह अप्रिय घटना नहीं हुई। शिकायत के बाद संबंधित दुकान संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मोमोज खाने वालों में ज्यादातर लोगों की उम्र 13 से 18 साल के बीच की थी।

खबर संक्षेप

आयुर्वेद महाविद्यालय में स्वर्ण प्राशन 6 को

रायपुर। बच्चों के बौद्धिक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर के बालरोग विभाग में प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। स्वर्ण प्राशन भारतीय चिकित्सा के पारंपरिक चिकित्सा में से एक महत्वपूर्ण औषधि है, जो कि स्वर्ण भस्म, शहद एवं विभिन्न औषधि से मिश्रित घी से बनाई जाती है। इस बार स्वर्णप्राशन का आयोजन 6 जनवरी मंगलवार को किया जाएगा। स्वर्ण प्राशन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले चिकित्सक डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बताया कि स्वर्ण प्राशन का लाभ लेने बच्चों का आधारकार्ड से माध्यम से पंजीयन कराना होगा। स्वर्णप्राशन का लाभ हजारों बच्चे ले चुके हैं।

जी राम जी के लिए भाजपा की प्रदेश टोली

रायपुर। केंद्र सरकार की वीबी जी राम जी योजना के जनजागरण के लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने प्रदेश टोली बनाई है। इस टोली का संयोजक प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन को बनाया गया है। इसी के साथ सदस्य के रूप में पूनम चंद्राकर, नीलकंठ टेकाम, राजीव सिंह, आलोक सिंह ठाकुर और कृष्णबिहारी जायसवाल रखे गए हैं।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर बिहान की महिलाओं का प्रदर्शन आज

रायपुर। अपनी 7 सूत्रीय मांगों को लेकर एनआरएलएम बिहान सक्रिय समूह की महिलाओं द्वारा 5 जनवरी को राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन दोपहर 12 बजे मोतीबाग के पास राजीव गांधी चौक में होगा। महिलाओं ने शासन से नियमितीकरण, नियुक्ति पत्र जारी करने, मानदेय में वृद्धि सहित अन्य मांगें रखीं। इस मौके पर संस्था की प्रांताध्यक्ष पद्मा पाटिल, महासचिव बिंदु यादव और सलाहकार विश्वजीत हारोडे ने बताया कि मानदेय 1910 रुपए मासिक है, जो बहुत कम है, अतः इसे जीने लायक सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाया जाए। मानदेय 'छत्तीसगढ़ शासन न्यूनतम वेतन अधिनियम' के अनुसार दिया जाए।

निधन

गोबिंद कौर बत्रा

रायपुर। सिविल लाइंस निवासी गोबिंद कौर बत्रा (99) का 3 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. गुरबख्श सिंह की पत्नी तथा इंदरबीर सिंह और हरबख्श सिंह की माता थीं।

सीए मुकुंद अग्रवाल

रायपुर। मोवा निवासी सीए मुकुंद अग्रवाल का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे पलाश अग्रवाल के पिता और ओमप्रकाश, राजेंद्र के छोटे भाई एवं संतोष, जितेंद्र, विनोद, डॉ. कमलेश, डॉ. विजय, अजय, अमन, श्याम के चाचा थे।

तीन साल में टिकरापारा थाना क्षेत्र में 68 प्रतिशत अपराध में वृद्धि

क्राइम का हॉटस्पाट खमतराई, टिकरापारा और तेलीबांधा, राजेंद्रनगर, राखी में कम केस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

राजधानी में अपराध के हिसाब से खमतराई, टिकरापारा तथा तेलीबांधा थाना क्षेत्र हॉटस्पॉट है। इन तीनों थाना क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों में तेलीबांधा में अपराध की स्थिति यथावत है, इसी के साथ टिकरापारा थाना क्षेत्र में अपराध के ग्राफ में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। टिकरापारा क्षेत्र में पिछले तीन वर्षों में 31 प्रतिशत अपराध में वृद्धि दर्ज की गई है। खमतराई थाना क्षेत्र में 19 प्रतिशत अपराध में वृद्धि दर्ज की गई है। ग्रामीण थाना क्षेत्र में खरोरा आपराधिक रिकार्ड के मामले में टॉप पर है। सबसे कम अपराध की घटनाएं राजेंद्र नगर, राखी थाना क्षेत्र में घटित हुई है।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के मुताबिक, ऐसे संवेदनशील थाना क्षेत्र, जहां अपराध का ग्राफ कम होने के बजाय बढ़ रहा है। उन थाना क्षेत्रों की पहचान कर पिकेट्स सिस्टम के अनुसार बीट में बंटवारा कर पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी दी जाएगी। साथ ही उन थाना क्षेत्रों को टॉप प्रायोरिटी पर रखकर अपराध पर कैसे अंकुश लगाया जाए, इस पर मंथन किया जाएगा।

तीन साल में थानों में दर्ज अपराध के आंकड़े

थाना	वर्ष 2023	2024	2025	थाना	वर्ष 2023	2024	2025
खमतराई	1013	1068	1254	विधानसभा	468	783	630
खरोरा	877	912	875	गंज	445	470	341
तेलीबांधा	803	862	827	गोबरा नवापारा	440	565	501
मंदिर हसौद	748	830	665	आजाद चौक	431	351	374
आरंग	731	854	758	राजेंद्र नगर	427	490	295
टिकरापारा	724	1027	1053	पंडरी	400	369	365
धरसींवा	619	715	655	माना कैंप	391	504	349
तिल्दा-नेवरा	613	633	581	गोलबाजार	357	379	245
सिविल लाइंस	606	641	688	सरस्वती नगर	335	279	291
गुढ़ियारी	582	823	520	मोवा	314	406	278
अभनपुर	550	477	469	मुजगहन	295	304	283
उरला	547	414	496	देवेंद्र नगर	292	439	252
डीडीनगर	535	501	621	कबीर नगर	258	290	262
पुरानी बस्ती	506	573	511	राखी	220	264	212
आमानाका	495	456	382	महिला थाना	151	106	90
कोतवाली	472	346	362	अनुसूचित जाति	8	4	5
खम्हारडीह	472	568	406				

मामूली बात पर ही लोग हो रहे हिंसक

एसएसपी के अनुसार जिले में हत्या की घटनाएं बढ़ने की बड़ी वजह लोग मामूली बात पर भी हिंसक हो रहे हैं। इस वजह से हत्या की घटनाएं ज्यादा हुई हैं। एक्सपर्ट के अनुसार, हत्या की जितनी घटनाएं हुई हैं। उनमें ज्यादातर घटनाएं नशे की हालत में हुई हैं। ऐसे ही एक मामले में पिछले दिनों खम्हारडीह थाना क्षेत्र में नशे में धुत युवक ने अपने ही साथी को चखना में ठंडा भजिया लाने के विवाद पर रॉड तथा लकड़ी के बत्ते से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था।

साढ़े पांच सौ से ज्यादा नए पुलिसकर्मियों की भर्ती

रायपुर जिले में 3805 पुलिस बल स्वीकृत है। वर्तमान में जिले के अलग-अलग थानों में 35 सौ के करीब पुलिसबल है। कानून व्यवस्था बनाए रखने नए 554 पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है। अफसर के अनुसार, नए पुलिस बल मिलने के बाद कानून व्यवस्था में कसावट आएगी। अपराध पर अंकुश लगाने मदद मिलेगी।

तीसरी आंख की महत्ता बढ़ी

अपराध सुलझाने मैन्युअल पुलिसिंग का जितना महत्व है, उतना ही महत्व सीसीटीवी कैमरे की है। निजी तथा इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) कैमरों की मदद से पुलिस ने कई गंभीर आपराधिक घटनाओं को सुलझाया है। एक साल के भीतर पुलिस ने 53 गंभीर किस्म के अपराध, जिसमें हत्या, लूट, डकैती जैसी घटनाओं को इन कैमरों की मदद से सुलझाया है। इसमें धरसींवा थाना क्षेत्र में मां-बेटी का दोहरा हत्याकांड, खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अनुपम नगर में बुजुर्ग भाई-बहन के घर 20 लाख रुपए की डकैती जैसे चर्चित मामलों को पुलिस ने इन्हीं कैमरों की मदद से सुलझाया।

लखमा को झूठे मुकदमे में फंसाने वाली भाजपा बहा रही घड़ियाली आंसू : शुक्ला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

■ कवासी को भी न्याय मिलेगा और भाजपा का षड्यंत्र बेनकाब होगा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कवासी लखमा के संदर्भ में भाजपा के मंत्री रामविचार नेताम और अन्य द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, कवासी लखमा को शराब घोटाले में फंसाकर जेल भेजने वाली भाजपा उनकी चिंता मत करे, उनके मामले में भी न्याय होगा। भाजपाई षड्यंत्र बेनकाब होगा। पूरा भरोसा है कि कवासी लखमा भी अदालत के आदेश से शीघ्र रिहा होंगे। जब कवासी लखमा की रिहाई होगी, तब भी कांग्रेस उनका भव्य स्वागत करेगी।

उन्होंने कहा, आज भाजपाइयों को याद आ रहा कि कवासी लखमा वरिष्ठ आदिवासी नेता हैं। जब उनको षड्यंत्रपूर्वक ईडी के द्वारा गिरफ्तार कराया, तब उन्हें इस बात का लिहाज नहीं किया कि कवासी आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ जनप्रतिनिधि हैं, जो लगातार पांच बार से विधानसभा चुनाव जीत रहे हैं। जब कवासी की फर्जी मामले में गिरफ्तारी कराए, तब उन्हें आदिवासी समाज के मान-अपमान की चिंता नहीं थी, तब तो केवल बदले की भावना से एक वरिष्ठ आदिवासी नेता को जेल भिजवा दिया।

उन्होंने कहा, कवासी वृद्ध नेता हैं। बीपी, शुगर जैसी गंभीर बीमारियों के मरीज भी हैं। भाजपा सरकार उनको महीनों हफ्तों जेल से बाहर इलाज कराने तक नहीं भेजने देती, एक विधायक और बीमार के रूप में उनको जेल में जो विशेष सहूलियतें मिलनी चाहिए, राजनैतिक विद्वेष के कारण वह तक तो भाजपा सरकार दे नहीं रही और घड़ियाली आंसू बहाए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ का टमाटर छह राज्यों में जा रहा इसलिए यहां चिल्हर में दाम 50 से 60 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

■ बीते साल जनवरी में पांच रुपए थे दाम, इस बार फसल भी खराब

लोकल टमाटर आने के बाद आमतौर पर टमाटर के दाम बहुत कम हो जाते हैं, लेकिन इस बार एक तो टमाटर की कई हेक्टयर फसल खराब हो गई है, वहीं पहली बार बंगाल और दिल्ली तक छत्तीसगढ़ के टमाटर जाने के कारण यहां पर आवक कम होने से दाम लगातार आसमान पर हैं। इस समय दाम थोक में 40 से 45 रुपए और चिल्हर में 50 से 60 रुपए हो गए हैं। बीते साल जनवरी में टमाटर के दाम चिल्हर में पांच रुपए और थोक में 2 से 3 रुपए थे। दूसरी सब्जियों के दाम जरूर इस समय बहुत कम हैं।

लोकल टमाटर की फसल दीपावली के आसपास आती है। इस बार भी यह फसल आई तो पहले कीमत कम रही। यही नहीं, इस बार तो बाहर से आने वाले टमाटर के दाम भी कम रहे। बीते साल तो टमाटर के दाम दीपावली के पहले सौ रुपए के पार रहे, लेकिन इस बार इसके दाम चिल्हर में 30 रुपए के आसपास रहे। इसका कारण यह रहा कि दक्षिण के राज्यों से टमाटर भरपूर मात्रा में आ रहा था।

सब्जियों के दाम अब कम

जहां तक अन्य सब्जियों का सवाल है तो इसके दाम अब बहुत कम हो गए हैं। फूलगोभी चिल्हर में ही 30 रुपए, पत्तागोभी 20 से 25 रुपए, बैंगन 30 से 40, कुंदरू 60 रुपए, पालक भाजी 10 से 20 रुपए, धनिया 60 रुपए, कद्दू 20 रुपए, लौकी 20 से 25 रुपए, मेथी 40 रुपए, मुनगा इस समय सबसे महंगा है। इसके दाम 160 रुपए किलो हैं। इसी के साथ भिंडी के दाम 120 रुपए और करेला 80 रुपए किलो है। मटर के दाम बहुत कम हो गए हैं। मटर चिल्हर में 25 से 30 रुपए किलो बिक रहा है। राखी मटर थोड़ा महंगा है। इसके दाम 40 रुपए किलो हैं। गाजर 20 से 30 रुपए, मूली 15 से 20 रुपए, सेमी 20 से 30 रुपए किलो बिक रही है।

कई राज्यों में भेज रहे प्रदेश का टमाटर

अब तक प्रदेश का लोकल टमाटर ज्यादा राज्यों में नहीं जाता था, लेकिन बीते साल से यहां के टमाटर कई राज्यों में भेजे जाने लगे हैं, ऐसे में शुरुआत में जब आवक कम रहती है तो दाम ज्यादा रहते हैं, लेकिन इस बार भी शुरुआत में तो दाम कम रहे, क्योंकि बाहर से भी कम कीमत पर टमाटर आ रहे थे। अब जबकि बाहर से टमाटर की आवक बंद हो गई है तो यहां के टमाटरों की आवक भी कम है। इसका कारण यह है कि यहां के टमाटर जहां उप्र, बिहार, झारखंड और ओडिशा जा रहे हैं, वहीं पहली बार यहां से टमाटर दिल्ली और बंगाल भी जा रहे हैं। इससे अलावा टमाटर के सबसे बड़े हब धमधा क्षेत्र में कई हेक्टयर में फसल खराब हो गई है। ऐसे में डूमरतराई बाजार में थोक दाम 45 रुपए हो गए हैं। जहां तक चिल्हर का सवाल है तो अलग-अलग बाजार में इसके दाम 50 से 60 रुपए हो गए हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम सोसायटी के 'लोगो' का किया विमोचन

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने शनिवार को कमल विहार सेक्टर-6 के नवगठित वसुधैव कुटुम्बकम वेलफेयर सोसायटी के 'लोगो' का विमोचन किया। सोसायटी द्वारा नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि कमल विहार की समस्याएं अनेक हैं, इन समस्याओं का सब मिलकर चरणबद्ध ढंग से निराकरण का प्रयास करेंगे। आप एक अच्छी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं, इसमें सफलता जरूर मिलेगी। विधायक श्री साहू ने इस अवसर पर सभी को छेरछेरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी दौरान संचालक, कोष एवं लेखा पद्मिनी भोई साहू ने वसुधैव कुटुंबकम वेलफेयर सोसायटी के गठन की प्रशंसा की और कहा कि यह सोसायटी समस्याओं के निराकरण के लिए एकजुट होकर कार्य करेगी। पार्षद मनोज जांगड़े ने भी नवगठित सोसायटी के लिए सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

■ नववर्ष मिलन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

ये रहे उपस्थित

इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के संस्थापक सदस्यों में प्रमुख जितेंद्र कुमार साहू, भरत ठक्कर, आकाशदीप शर्मा, मनीष कुमार मिश्रा, रितेश मिश्रा, रोहित शर्मा और भरत राजपुरोहित, सुरेश गुप्ता, राणा कुमार सिंह और प्रदीप खूबनानी, वरिष्ठ सदस्यों में अश्विनी शर्मा एवं रामेश्वर विश्वकर्मा के अलावा मनीष कुमार वर्मा, अजय डेकाटे, संजय डेकाटे, दीपक गुरुवंशी, धर्मेंद्र चंद्राकर, सुषमा मिश्रा एवं विंदेश्वरी चंद्रवंशी, इंद्रावती कुशराम आदि उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

श्रेयन आयुर्वेद पंचकर्म एवं वेलनेस सेंटर में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आज

रायपुर। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से श्रेयन आयुर्वेद पंचकर्म एवं वेलनेस सेंटर द्वारा स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 5 जनवरी 2026, सोमवार को रायपुर में आयोजित होगा। आयोजन के अंतर्गत आयुर्वेदिक विधि से तैयार स्वर्ण प्राशन की खुराक बच्चों को दी जाएगी। आयुर्वेद में इसे बच्चों के लिए लाभकारी माना गया है, जो बार-बार होने वाली सर्दी, खांसी और मौसमी बीमारियों से बचाव में सहायक होती है। इसके साथ ही यह पाचन शक्ति को मजबूत करने, भूख बढ़ाने तथा स्मरण शक्ति, बल और ओज में वृद्धि करने में उपयोगी मानी जाती है। स

वर्ण प्राशन की खुराक सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन बी-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, शंकर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) स्थित श्रेयन आयुर्वेद पंचकर्म एवं वेलनेस सेंटर में किया जाएगा। संस्था ने अभिभावकों से बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

मित्तल हॉस्पिटल द्वारा रायपुर में "हेमेटोलॉजी होराइजन्स" वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया एवं अन्य रक्त विकारों की बढ़ती चुनौती को देखते हुए मित्तल हॉस्पिटल, रायपुर एवं भिलाई द्वारा "हेमेटोलॉजी होराइजन्स" नामक एक दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य रक्त रोगों के समग्र उपचार के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी अप्रोच को बढ़ावा देना रहा। सम्मेलन में लगभग 300 चिकित्सकों ने भाग लिया, जिनमें हेमेटोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, जनरल फिजीशियन, पैथोलॉजिस्ट एवं गायनेकोलॉजिस्ट शामिल थे। विशेषज्ञों ने सिकल सेल रोग के दीर्घकालिक प्रबंधन, नवीन उपचार विकल्पों और टीम आधारित इलाज पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देश के वरिष्ठ हेमेटोलॉजिस्ट डॉ. एम. बी. अग्रवाल रहे, जिनके अनुभव ने चर्चाओं को नई दिशा दी। इस अवसर पर डॉ. सुमन मित्तल, डॉ. एंबर गर्ग, डॉ. निहार गुप्ता, डॉ. नेहा बोथरा जैन और आशीष मित्तल ने कहा कि ऐसे मंच मरीजों तक समय पर, किफायती और गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुँचाने में सहायक हैं। मित्तल हॉस्पिटल की यह पहल राज्य में रक्त रोग एवं कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पेज 09 के शेष ...

हाईकोर्ट भर्ती परीक्षा : व्यापम ...

वाले रहे। ड्रेस कोड अथवा प्रवेश संबंधित किसी तरह की वाद-विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई। गौरतलब है कि व्यापम द्वारा रंगों को लेकर स्पष्ट निर्देश बीते दिनों जारी किए गए थे।

इस तरह के...

दर्जा प्रदान किया गया? 0 हिंदी कैलेंडर के महीनों को उनके सही कालक्रम (क्रम) में व्यवस्थित कीजिए। 0 छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम के अनुसार, 'ग्राम सभा' की बैठक कितने महीनों में कम से कम एक बार आयोजित होनी चाहिए? 0 लोक गीत किस परंपरा से संचारित होते हैं? 0 भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट-2023 के अनुसार, वन और वृक्ष आवरण की स्थिति। 0 मल्टी यूजर ऑपरेटिंग सिस्टम का प्रयोग किन चीजों के लिए होता है? 0 किस प्रकार की प्रकार की ई-गवर्नेंस सेवा नागरिकों को शिकायत दर्ज करने में मदद करती है? 0 कौन सा उपकरण इनपुट और आउटपुट दोनों उपकरणों के रूप में कार्य नहीं कर सकता है? 0 एक्सेल में कॉलम पर फिल्टर लागू करने के क्रम। 0 आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का कौन सा घटक अस्पतालों के बीच रोगी डेटा का सुरक्षित आदान-प्रदान सुनिश्चित करता है? 0 सीपीयू के भीतर कंट्रोल यूनिट (सीयू) का मुख्य कार्य क्या है?

वंदे भारत एक्सप्रेस में ..

सुविधाओं से लैस इस ट्रेन की व्यवस्थाएं भी अन्य ट्रेनों से अलग होती हैं। यात्रियों को इसमें सफर करना खूब पसंद आता है। विशेषताओं में एक ट्रेन में टिकट जांच करने वाले टीटीई भी हैं, जिनकी ड्रेस का रंग व डिजाइन राजधानी एक्सप्रेस के स्टॉफ की तरह होता है। टीटीई को इसी यूनिफार्म में टिकट जांच करनी होती है।

इनको पहले दिन...

पहुंचीं। उनके हाथों में वॉकी-टॉकी व जांच के अन्य जरूरी साधन थे। इस ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह नया था। तीनों टीटीई अब नियमित इस ट्रेन में ड्यूटी करेंगी। महिलाओं की ड्यूटी होने से एक लाभ यह होता है कि यात्री बेवजह विवाद नहीं करते और बिना आपत्ति के टिकट जांच भी कराते हैं। रेलमंडल पर यह प्रयास कर रहा है कि 8 मार्च महिला दिवस तक इस ट्रेन में केवल महिला टिकट जांच स्टाफ ही तैनात रहे। इस ट्रेन के परिचालन की खास बात यह है कि सुबह छूटकर शाम 7.30 बजे तक नागपुर से बिलासपुर लौट आती है। इससे महिला टीटीई को ड्यूटी करने में आसानी होगी और रेलवे अपनी मंशा के अनुसार इस ट्रेन को और खास बना लेगा।

सदर इलाके में मेन ...

खासी परेशानी हो रही है। लोगों के घरों के सामने, मुख्य मार्ग, बिजली पोल के समीप बेतरतीब तरीके से सड़क खुदाई कर पाइपलाइन डाली जा रही है। ये वही सड़क है, जिसका कुछ माह पहले डामरीकरण किया गया था, पर दोबारा सड़क खुदाई करने से सड़क की दुर्गति हो गई है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा गंज मंडी और मोतीबाग पानी टंकी को कमांड एरिया बनाकर शहर के 14 वार्डों में 175 किलोमीटर की नई पाइपलाइन बिछाकर लोगों के घरों में 24 घंटे जल आपूर्ति के लिए कनेक्शन दिया जा रहा है। इसके लिए अच्छी- खासी सड़क को उधेड़कर पाइपलाइन डालने का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है। भुक्तभोगियों का कहना है, पाइपलाइन डालने के बाद संबंधित सड़क को सही तरीके से पाटकर व्यवस्थित नहीं किया जा रहा है। सड़क के ऊपर बड़े पत्थरों को वैसे ही छोड़ दिया गया है। सदर बाजार में दुकानों के सामने सड़क खुदाई से भी लोग परेशान हैं। यह स्थिति पारख ज्वेलर्स वाली सड़क के सामने, सुरेश बुक डिपो के समीप बीच सड़क पर गड्ढा खोदकर पाइपलाइन डाली गई है। जबकि इस मार्ग पर लोगों की आवाजाही ज्यादा होती है, जिससे ट्रैफिक का दबाव आए दिन बना रहता है।

पानी का प्रेशर कम, इसलिए की खुदाई : प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारी का कहना है कि सदर इलाके में ऐसे उपभोक्ता, जिन्होंने पूर्व में 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना का लाभ लेने नया कनेक्शन नहीं लिया, उनके द्वारा डिमांड किए जाने पर सड़क खुदाई कर नया कनेक्शन दिया जा रहा है। अनुबंधित एजेंसी के प्रेशर ट्रांसमीटर में जांच करने पानी का प्रेशर संबंधित पाइंट पर कम आया। सड़क खुदाई कर जांच की तो पता चला, वहां चोक है और मिट्टी फंसी है। उसे क्लीयर किया गया है। अब दोबारा प्रेशर चेक करेंगे।

प्रायोगिक परीक्षा होते ही...

के लिए लैब में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सामान और इक्विपमेंट पूरी तरह से होने चाहिए। स्पेशल जरूरत वाले बच्चों के लिए इंतजाम किया जाना चाहिए ताकि वे आराम से प्रैक्टिकल एग्जाम दे सकें। स्टूडेंट्स स्कूल के तय शेड्यूल के हिसाब से असेसमेंट के लिए आएंगे। मार्क्स सिर्फ परफॉर्मेंस के आधार पर दिए जाएं।

... तो रद्द हो जाएगी...

असेसमेंट कर सकते हैं। किसी दूसरे एग्जामिनर का इस्तेमाल करने पर असेसमेंट रद्द हो जाएगा। गौरतलब है कि सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हो रही हैं जो 10 अप्रैल को खत्म होंगी। प्रैक्टिकल सहित प्रोजेक्ट और इंटरनल असेसमेंट 1 जनवरी से 14 फरवरी के बीच कराए जाएंगे।

मोबाइल अटेंडेंस से निजी जानकारी लीक, शिक्षकों ने सौंपी अश्लील फोन कॉल्स की सूची

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति मोबाइल एप का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन दर्ज की जा रही है। लेकिन शिक्षक अब इसके विरोध में आ गए हैं। उनका आरोप है कि मोबाइल एप से हाजिरी लिए जाने की स्थिति में उनके फोन से व्यक्तिगत संपर्क नंबर सहित अन्य तरह की जानकारी लीक हो रही है। उनके नंबर पर अनजान नंबरों से अवांछित फोन कॉल्स आ रहे हैं। कई जिलों के शिक्षकों ने बकायदा इन फोन कॉल्स की सूची भी विभाग को सौंपी है, ताकि इन पर कार्रवाई की जा सके।

ऑनलाइन हाजिरी का तरीका बदलने की मांग, प्रदेशभर में विरोध प्रारंभ

निजता के अधिकार का उल्लंघन

शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों के मोबाइल निजी हैं। निजी मोबाइल से शासकीय उपस्थिति दर्ज कराना निजता के अधिकार का उल्लंघन है। यदि शासन को बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करना है, तो प्रत्येक विद्यालय में बायोमेट्रिक (पंच) मशीन एवं स्थायी इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। संघ का कहना है कि शिक्षक किसी भी सुधारात्मक व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना वित्तीय सुरक्षा और बिना विश्वास के थोपी गई व्यवस्था स्वीकार्य नहीं है।

निरीक्षण व्यवस्था का भरोसा नहीं

शिक्षक संघ ने शासन पर आरोप लगाया है कि मोबाइल एप से उपस्थिति लेने का आशय यह प्रतीत होता है कि शासन को अपनी निरीक्षण व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी ओर, शासकीय कार्यों के लिए शिक्षकों को निजी मोबाइल का उपयोग करने के लिए विवश किया जा रहा है, जिससे उनके व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। कई जिले में अनेक शिक्षक साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। फर्जी डीपीआई अधिकारी, पुलिस अधिकारी या बैंक अधिकारी बनकर कॉल कर शिक्षकों को ठगने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में निजी मोबाइल पर शासकीय एप का दबाव शिक्षकों को और अधिक वित्तीय जोखिम में डालता है।शिक्षक संघ ने सरकार से मांग करते हुए कहा है कि प्रत्येक विद्यालय में बायोमेट्रिक मशीन एवं इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाए, शासकीय कार्य के लिए प्रत्येक स्कूल को एक लैपटॉप प्रदान किया जाए।

शिक्षकों का कहना है कि यदि उपस्थिति ऑनलाइन ही दर्ज होगी तो सभी शासकीय विद्यालयों में बायोमेट्रिक मशीन लगाई जाए। इससे ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज हो जाएगी और शिक्षकों की व्यक्तिगत जानकारी भी सुरक्षित रहेगी।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव , संचालक को पत्र लिखकर विद्यालयों में मोबाइल-नेट सुविधा व बायोमेट्रिक पंच मशीन उपलब्ध कराए जाने का मांग करते हुए कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति मोबाइल एप से दर्ज कराने का निर्णय व्यवहारिक नहीं है। यह शिक्षकों की निजता एवं वित्तीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है, निजी मोबाइल के माध्यम से उपस्थिति लेना अत्यंत आपत्तिजनक है।

खबर संक्षेप

आप की छत्तीसगढ़ बचाओ यात्रा 11 से

रायपुर। रविवार को आम आदमी पार्टी की संगठनात्मक आम बैठक आयोजित की गई। प्रदेश कार्यालय में आयोजित इस बैठक में विधानसभा स्तर एवं बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए रणनीतिक योजना पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाना एवं जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे ले जाना रहा। बैठक में आगामी 11 जनवरी से प्रारंभ होने वाली "छत्तीसगढ़ बचाओ यात्रा" के विषय में भी विशेष रूप से चर्चा की गई। इस दौरान ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर की रणनीति के अनुसार अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने, जनसंपर्क को मजबूत करने तथा यात्रा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। नवनीत नंदे, श्याम शर्मा, थनेश्वर बिसेन, नरेंद्र सिंह ठाकुर, सनोज दास, इमरान खान, महेंद्र बिसेन, मनीष सार्थी, राहुल भारतीया, अजाज अंसारी एवं सत्यजीत बोस उपस्थित रहे।

सर्व ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन 8 फरवरी को, पंजीयन की अंतिम तिथि 31 तक

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ और सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छग द्वारा 8 फरवरी को सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शांति नगर स्थित विमतारा भवन में 8 फरवरी को सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। इस सम्मेलन में सम्पूर्ण भारत से पंजीयन आमंत्रित हैं। सर्व ब्राह्मण युवक-युवती, विधवा, विधुर, परित्यक्ता, दिव्यांग आदि सभी श्रेणी से योग्य वर-वधु चयन के लिए विप्र परिवार के युवक युवती का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन राशि 300 रुपए मात्र रखी गई है। पंजीयन के लिए अंतिम तिथि 31 जनवरी है। इसके बाद पंजीयन कराने पर पत्रिका में बायोडाटा का प्रकाशन संभव नहीं होगा।

6 माह पहले मंगाई थी रुचि की अभिव्यक्ति, एक भी एजेंसी ने नहीं दिखाई दिलचस्पी

मुंह चिढ़ा रहा 4 करोड़ का ढांचा, 3 साल बाद भी मोवा में शुरू नहीं हो सकी गारमेंट फैक्ट्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- संचालन के लिए एजेंसी नहीं मिल रही
- नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री का हाल

हरिभूमि सरोकार

मोवा क्षेत्र में बीएसएनएल आफिस के पास 4 करोड़ खर्च नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री के लिए बनवाया गया ढांचा निर्माण के 3 साल बाद भी मुंह चिढ़ाते खड़ा है। निगम प्रशासन इसके संचालन के लिए आज तक एजेंसी तय नहीं कर पाया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के शासनकाल में नगर निगम सीमा क्षेत्र की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के मकसद से रायपुर नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री का प्रोजेक्ट लाया गया, पर न तो महिलाओं को हुनरमंद बनाने सिलाई मशीनें खरीदी गईं और न ही उन्हें चयनित कर प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया। पीपीपी मोड पर गारमेंट फैक्ट्री का संचालन होना था, पर शर्तों में बदलाव के बाद भी रुचि की अभिव्यक्ति के लिए ऑनलाइन टेंडर में एक भी एजेंसी आगे नहीं आई। महापौर मीनल चौबे का कहना है, हम दूसरे प्लान पर काम करेंगे और गारमेंट फैक्ट्री पर जल्द जनहित में निर्णय लिया जाएगा।

दरअसल पूर्व महापौर एजाज ढेबर की कार्यकाल में निगम सीमा क्षेत्र की एक हजार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री का प्रोजेक्ट लाया गया। पीपीपी मोड पर इसका गारमेंट फैक्ट्री का संचालन की योजना थी। अनुबंधित एजेंसी को गारमेंट फैक्ट्री में एक हजार जरूरतमंद महिलाओं का चयन कर उन्हें सिलाई, बुनाई का निशुल्क प्रशिक्षण देकर गारमेंट फैक्ट्री में रोजगार देने की शर्त शामिल रही। चयनित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान संबंधित एजेंसी द्वारा प्रशिक्षण वृत्ति मिलनी थी। 15 करोड़ के इस प्रोजेक्ट में नगर निगम को गारमेंट फैक्टी के लिए पूरा सेटअप तैयार करने से लेकर एक हजार सिलाई मशीनों की खरीदी भी करनी थी, पर बाद में टेंडर की शर्त में बदलाव किया गया।

जनहित में जल्द निर्णय लेंगे

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के मकसद से मोवा क्षेत्र में नगर निगम की पहली गारमेंट फैक्ट्री तैयार की गई। इसके संचालन के लिए ऑनलाइन टेंडर कर रुचि की अभिव्यक्ति मंगाई गई, पर इसमें एक भी एजेंसी ने रुचि नहीं दिखाई। हम इसमें दूसरा प्लान लाकर काम करना चाहते हैं, जनहित में इस पर जल्द निर्णय लिया जाएगा।

- मीनल चौबे, महापौर

दूसरे चरण का काम ठप

मोवा में महिलाओं के लिए नगर निगम ने ढाई साल पहले प्रथम चरण में 4 करोड़ रुपए खर्च गारमेंट फैक्ट्री के लिए शेड निर्माण, बाउंड्रीवाल, साइड रोड का निर्माण, गंदे पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम, परिसर में पानी की व्यवस्था और कर्मचारियों के लिए शौचालय का निर्माण कराया। इसके अलावा आउटर के डेवलपमेंट का काम इसमें शामिल है। दूसरे चरण में गारमेंट फैक्ट्री शुरू करने पीपीपी मोड पर एजेंसी का चयन किया जाना था। जो कि 3 साल बीतने के बाद नहीं हो सका। प्रोजेक्ट में कपड़े बनाने से लेकर पैकेजिंग करने का सारा काम महिलाएं करेंगी, जबकि निर्मित उत्पाद की मार्केटिंग का जिम्मा अनुबंधित चयनित एजेंसी का रहेगा।

बार नवापारा में होगा राष्ट्रीय स्तर पर तीन दिवसीय पक्षी सर्वेक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सिटीजन साइंस बर्ड सर्वे 2026 का आयोजन 16 से 18 जनवरी

बार नवापारा वन्यजीव अभयारण्य में सिटीजन साइंस बर्ड सर्वे-2026 का आयोजन 16 से 18 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इस सर्वे का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की समृद्ध पक्षी-विविधता का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण करना, नागरिक वैज्ञानिकों की भागीदारी बढ़ाना और दीर्घकालिक संरक्षण कार्यों को मजबूत बनाना है। प्रकृति-रक्षित क्षेत्रों, घासभूमियों और वनों के मिश्रित परिदृश्य से युक्त बार नवापारा अभयारण्य इस प्रकार के अध्ययन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। बताया गया है कि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार तथा वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर के मार्गदर्शन यह आयोजन किया जा रहा है।

क्या है सिटीजन साइंस बर्ड सर्वे

सिटीजन साइंस बर्ड सर्वे (नागरिक विज्ञान पक्षी सर्वेक्षण) एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें आम लोग बिना किसी वैज्ञानिक अनुभव के, पक्षियों को देखकर उनका डेटा इकट्ठा करते हैं, जिससे वैज्ञानिकों को पक्षियों की आबादी, प्रवास और पर्यावरणीय बदलावों (जैसे जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण) के प्रभावों को समझने में मदद मिलती है और यह डेटा पक्षियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रतिभागियों के आवेदन मिलने शुरू

बताया गया है कि कार्यक्रम को लेकर प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ सहित देश के 12 राज्यों आंध्रप्रदेश, बिहार, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल के प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। यह बढ़ती सहभागिता छत्तीसगढ़ की जैव-विविधता के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती रुचि को दर्शाती है तथा बार नवापारा अभयारण्य को महत्वपूर्ण संरक्षण स्थल के रूप में स्थापित करती है।

पूर्व सीएम बघेल की टिप्पणी व्यक्तिगत, यह साहू समाज का अपमान नहीं

- प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष की मांग- राजनीति से संघ को पृथक रखें

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपमुख्यमंत्री अरुण साव पर की गई टिप्पणी व्यक्तिगत है, इसे साहू समाज से जोड़ा जाना उचित नहीं है। उन्होंने संघ के जिला अध्यक्षों को पत्र लिखकर इस मामले से दूर रहने के लिए कहा है।

जयंत साहू पूर्व अध्यक्ष रायपुर संभाग तथा अन्य पदाधिकारियों ने कहा, भूपेश बघेल के साथ हूं तथा मानता हूं कि उनकी यह टिप्पणी विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत एवं राजनीतिक थी। इसमें साहू समाज का कोई अपमान नहीं हुआ है। यह टिप्पणी एक व्यक्ति विशेष की कार्यशैली पर केंद्रित व्यंग्य मात्र थी, न कि साहू समाज का अपमान। राजनीति में विपक्षी नेताओं पर कहानियों एवं किस्सों के माध्यम से ऐसी टीका-टिप्पणी सदियों से होती आई है और इसे समाज का अपमान मानना पूरी तरह अनुचित एवं अतिशयोक्तिपूर्ण है।

रायपुर के पिंक सिटी अपार्टमेंट में दूषित जल के बाद अब पानी में निकल रहे कीड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- अवंति विहार पानी टंकी से होती है जल आपूर्ति, गंदा पानी आने की रही शिकायतें

नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड के पिंक सिटी अपार्टमेंट में रविवार की शाम नल खुलने के बाद पानी में कीड़े तैरते नजर आए। लोगों ने इस पानी को बाल्टी और टब में जमा कर रखा है। भुक्तभोगियों का कहना है कि महीनेभर से उनके इलाके में गंदा पानी आने की समस्या रही है। वार्ड पार्षद पुष्पा-रोहित साहू के साथ मिलकर उन्होंने इस की शिकायत संबंधित जोन दफ्तर में भी है। लोगों की शिकायत पर नगर निगम के जल विभाग के अधिकारी पाइपलाइन के लीकेज ढूंढने में लगे। बड़ी मुश्किल से शनिवार की शाम पाइपलाइन लीकेज का पता चला। नाली से होकर गई पाइपलाइन लीकेज होने से लोगों के घरों में नलों के माध्यम से गंदा पानी आने की समस्या रही। हालांकि शनिवार की शाम पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत कराई गई, पर रविवार की शाम नल खुलने के बाद पानी में कीड़े आने से लोग हैरान रह गए।

दरअसल नगर निगम जोन 3 और जोन 9 क्षेत्र से लगे नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड और महर्षि वाल्मीकि वार्ड के पिंक सिटी, सेल्स टैक्स कालोनी, विजय नगर और महामाया विहार कालोनी में पुरानी पाइपलाइन लीकेज होने से नाली का गंदा पानी रिसकर आने की स्थिति पंद्रह दिनों से बनी रही। गंदा और बदबूदार पानी आने पर लोगों ने वार्ड पार्षद प्रभा-मनोज विश्वकर्मा और पुष्पा रोहित साहू के साथ मिलकर इसकी शिकायत जोन दफ्तर और महापौर मीनल चौबे से की। शिकायत मिलने पर महापौर मीनल चौबे शनिवार को स्पॉट पर पहुंचीं और जल विभाग के अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर प्रभावित इलाके में स्वच्छ पेयजल आवश्यक रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। शनिवार की शाम महामाया विहार में पाइपलाइन लीकेज ढूंढकर उसकी मरम्मत का कार्य कराया गया। वहीं विजय नगर के पास पाइपलाइन लीकेज को सुधारा गया। जल विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर प्रभावित इलाकों के घरों में नलों के पानी में आ रहे क्लोरीन की मात्रा की जांच की गई। दावा यह किया गया कि सभी घरों में स्वच्छ पेयजल आ रहा है। इसके बाद भी पिंक सिटी में शाम के समय नलों के पानी में कीड़े मिलने की शिकायत आई है।

लीकेज सुधारा अब चेक कराएंगे

पिंक सिटी में अवंति विहार पानी टंकी से जल आपूर्ति होती है। पाइपलाइन मरम्मत के दौरान कुछ पानी टंकी रह गया होगा, उसी में कीड़े रहे होंगे। दोबारा चेक कराएंगे।

- नरसिंग फरेंद्र, ईई, जल विभाग, नगर निगम रायपुर

गरीबों का साथ देने वालों का धन्यवाद, निस्वार्थ भाव से दे रहे हैं सहयोग

दुर्गानगर बचाओ राजनीतिक नहीं गरीबों के लिए एक सामाजिक आंदोलन

रायपुर। रायपुर शहर के हृदय स्थल, सिविल लाइंस वार्ड में स्थित दुर्गानगर झुग्गी बस्ती आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। यह बस्ती कोई अतिक्रमण नहीं, बल्कि पिछले 60-70 वर्षों से यहां बसे 120 से अधिक परिवारों का पुश्तैनी आवास है। नगर निगम द्वारा इन परिवारों को शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर पिरदा में विस्थापित करने की तैयारी एक ऐसा अन्यायपूर्ण फैसला है, जो इनके जीवन, आजीविका, शिक्षा और सम्मान पर सीधा प्रहार है। दुर्गानगर मोहल्ला विकास समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन और सरकार से अपील करते हैं कि वे इस गलत फैसले पर पुनर्विचार करें और दुर्गानगर के मूल निवासियों को उनके हक में न्याय दिलाएं। हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक हमें हमारा अधिकार नहीं मिल जाता।

समिति के अध्यक्ष रामू नायक, वैष्णव भतरिया, वीर तांडी, संकीर्तन तांडी, कलाकुंज सोना, वैष्णव भत्रिया (गुड्डू), गोलू हरपाल, वीर तांडी, प्रमोद भारती, भगवानू महानंद, साजन बाघ, हितेन नेताम, सन्नी भारती ने कहा, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि दुर्गानगर बचाओ कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि गरीबों का झुग्गी-झोपड़ी बचाने का एक सामाजिक संकल्प है, जो गरीबों और समाज का साथ नहीं दे सकते, वे समाज को भटकाने का प्रयास भी न करें।

जिन्हें हमदर्दी, वे आकर साथ दें

उन्होंने कहा, हमें हृदय से प्रसन्नता है कि इस न्यायसंगत संघर्ष में विभिन्न राजनीतिक दलों एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हमारा साथ दिया है। इनमें कांग्रेस के राधेश्याम विभार, भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक आशीष तांडी, जनता कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक, वरिष्ठ समाजसेवी बनमाली छुरा, समाजसेवी जीतू सागर, मुकेश मोंगराज, सामाजिक युवा नेता भरत छुरा, हेमलाल नायक, चंदू बघेल, रोशनी बाघ, मीरा सोनी, पिंकी निहाल आदि सैकड़ों लोग शामिल हैं। ये सभी समाज के सच्चे शुभचिंतक हैं।

साइकोलॉजिस्ट के लिए पीएससी इंटरव्यू 13 से

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट के 12 पद एवं काउंसलर मनोरोग के 2 पद के लिए पीएससी ने साक्षात्कार तिथि घोषित कर दी है। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट पदों के लिए 379 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरे गए थे। आवेदनों के आधार पर दस्तावेज सत्यापन 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक आयोजित किया गया, जिसमें 44 अर्ह, 163 अनर्ह एवं 172 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। इस प्रकार 44 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 13 एवं 14 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। वहीं काउंसलर मनोरोग के लिए 217 अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन भरे गए थे। दस्तावेज सत्यापन में 110 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। योग्य 17 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 15 जनवरी को आयोजित होगा।

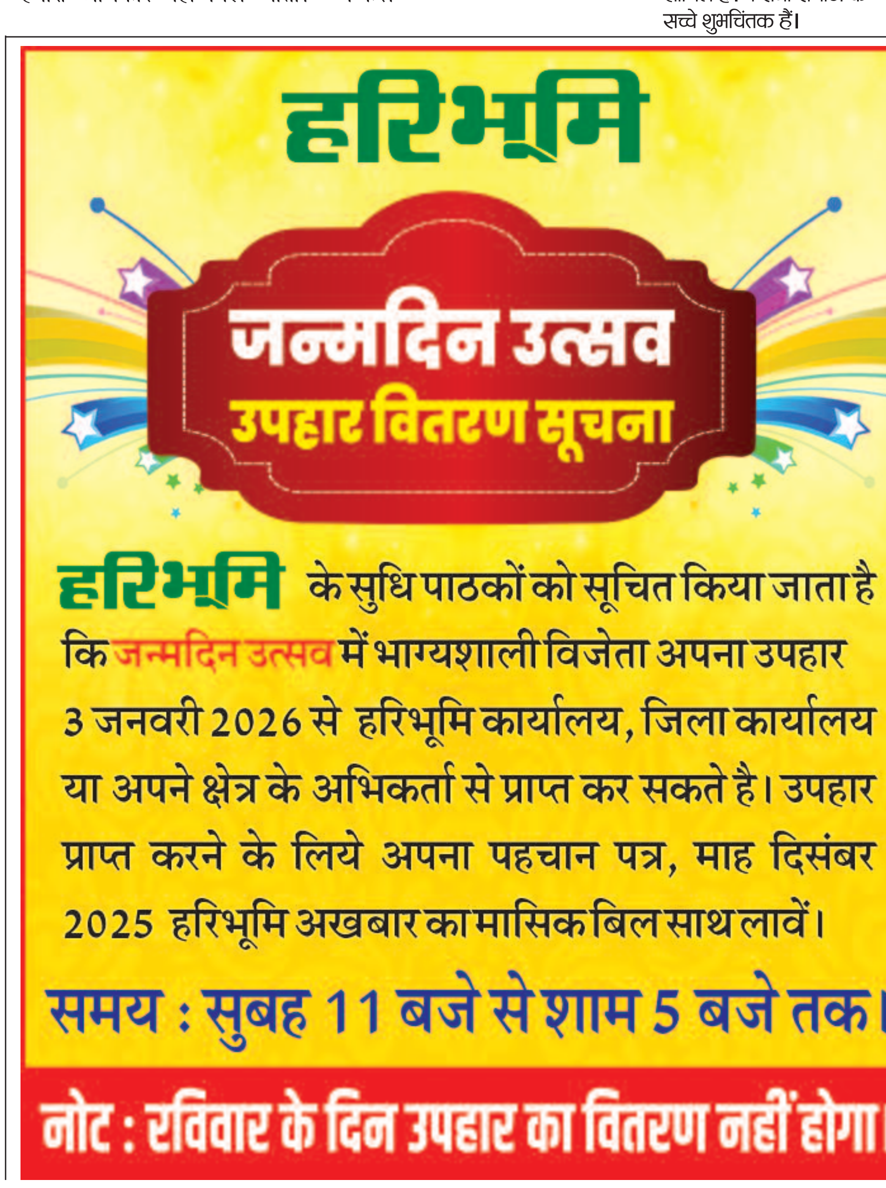

लाइव इवेंट

सिकलसेल रोग प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने साझा किए नवीनतम उपचार विकल्प

रायपुर। छत्तीसगढ़ आज पूरे देश में सिकलसेल रोग की राजधानी के रूप में जाना जाता है। राज्य के कई जिलों में सिकलसेल एनीमिया, थैलेसीमिया, गंभीर एनीमिया एवं अन्य रक्त विकारों की व्यापकता अधिक है। इन जटिल बीमारियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए केवल एक विशेषज्ञ पर्याप्त नहीं होता, बल्कि हेमेटोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजिस्ट, फिजीशियन, पैथोलॉजिस्ट, गायनेकोलॉजिस्ट सहित अन्य सहयोगी सुपर-स्पेशियलिटीज़ का एक साथ आना अत्यंत आवश्यक है। जब सभी विशेषज्ञ एक मंच पर मिलकर कार्य करते हैं, तभी रोगियों को समग्र एवं प्रभावी उपचार संभव हो पाता है। इसी उद्देश्य को लेकर मित्तल हॉस्पिटल, रायपुर एवं भिलाई द्वारा वैज्ञानिक सम्मेलन 'हेमेटोलॉजी होराइज़न्स' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 300 चिकित्सकों ने भाग लिया, जिनमें हेमेटोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, जनरल फिजीशियन, पैथोलॉजिस्ट, गायनेकोलॉजिस्ट एवं अन्य सहयोगी विशेषज्ञ शामिल थे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हेमेटोलॉजी में नवीनतम उपचार विकल्पों, सिकलसेल रोग के दीर्घकालिक प्रबंधन तथा मल्टी-डिसिप्लिनरी ट्रीटमेंट अप्रोच पर व्यावहारिक चर्चा करना रहा।

बेहतर उपचार के लिए डॉक्टरों का संवाद जरूरी

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण रहे डॉ. एम. बी. अग्रवाल, जिन्हें देशभर में हेमेटोलॉजी का जनक माना जाता है। उनके दशकों के अनुभव और मार्गदर्शन ने वैज्ञानिक चर्चाओं को विशेष दिशा प्रदान की। सम्मेलन के दौरान डॉ. सुमन मित्तल, डॉ. एंबर गर्ग, डॉ. निहार गुप्ता एवं डॉ. स्नेहा बोथरा जैन ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक मंचों का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों तक समय पर किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज पहुंचाना है। उन्होंने डॉ. आशीष जैन के विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में भी फिजिकल मीटिंग्स अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इससे डॉक्टरों को आपस में मिलने, अनुभव साझा करने तथा क्रॉस-फंक्शनल उपचार रणनीतियां विकसित करने का अवसर मिलता है। आयोजकों ने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भी इस प्रकार की फिजिकल अकादमिक मीटिंग्स लगातार आयोजित की जाती रहेंगी।

पक्षी दिवस

● सात समंदर पार कर पहुंच रही विदेशी प्रवासी पक्षी, तीनों मौसम में टोलाघाट, बेलौदी समेत ठगड़ा बांध सुरक्षित जगह

नंदनवन में 50 से अधिक विदेशी पक्षियों का आकर्षण, जापान और साइबेरियन प्रवासी परिंदों को भा रही राजधानी की आबोहवा

"

विदेशी प्रवासी पक्षियों को छत्तीसगढ़ की आबोहवा खूब भाने लगी है। अब बारिश, ठंड और गर्मी तीनों मौसम में साइबेरियन, पैसिफिक गोल्डन, ग्रे हेडेड लेपन विदेशी पक्षियां नजर आने लगी हैं, जो सात समंदर पार राजधानी के सेंध जलाशय, टोलाघाट, आरंग स्थित कोडार लेक समेत बारनवापारा के जंगलों में अपने परिवार के साथ डेरा डाले हुए हैं। इन पक्षियों को वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ने अपने कैमरे में कैद भी किया है। साथ ही दुर्लभ विभिन्न प्रजाति की पक्षियों का रिकॉर्ड तैयार किया है।

रायपुर। हरिभूमि ने वाइल्ड लाइफ से जुड़े प्रकृति प्रेमियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि प्रवासी पक्षियों का आगमन राजधानी समेत बारनवापारा, अचानकमार के जंगलों में शुरू हो चुका है। शहर के टोलाघाट में 100 से अधिक साइबेरिया से प्रवासी पक्षियों ने घर बनाया हुआ है। इन पक्षियों को रहने के लिए यहां सुरक्षित वातावरण और भोजन भी प्रचुर मात्रा में मिल जाता है। इसलिए हर साल बारिश और ठंड में पक्षियों का झुंड चला आता है। गर्मी शुरू होते ही सायबेरियन पक्षी ठंडे जगह पर चली जाती हैं। नया रायपुर स्थित सेंध जलाशय में भी लैडर सैंड प्लोवर, वुड सैंडपाइपर जैसी छोटी पक्षियां इन दिनों दिखाई दे रही हैं।

नंदनवन में देखने मिल रहे 50 से अधिक विदेशी पक्षी

नंदनवन में अभी 50 प्रजाति के विदेशी पक्षी हैं। इन्हें दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया, सूडान, म्यांमार, ब्राजील, गुयाना, अमेरिका, जापान, साइबेरिया, ताइवान, वेस्टइंडीज, थाईलैंड व इंडोनेशिया से लाया गया है। इन पक्षियों का रंग व आकर लोगों को आकर्षित किया हुआ है। बता दें कि नंदनवन में अफ्रीकन ग्रे पेलिकन, ब्लैक श्वान, कारोलाइन डक, क्रस्टेड डक, सिल्वर फीजेंट, क्रेस्टेज वुड, लव बर्ड, जेब्रा फ्रिंज, ब्ल्यू रिंगनेट, गोल्डन फीजेंट, लेडीज हेमरेस्ट, एमोजोन, ग्रे पैरेट, कोहिनूर व मकाऊ पक्षी हैं। यह सभी पक्षियां काफी दुर्लभ हैं।

ऊर्जा पार्क में दुर्लभ यूरोपियन पाइड हैरियर पक्षी

ठंड के दिनों में यूरोपियन पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां राजधानी के आसपास दिखाई देने लगी हैं। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ने बताया कि विदेशों में अधिक ठंड होने के बाद अब प्रवासी पक्षियां छत्तीसगढ़ की ओर आने लगी हैं। बीते दिनों मंदिर हसौद स्थित कठिया डेम में यूरोपियन पाइड हैरियर पक्षी दिखाई दिया। यह पक्षी बेहद दुर्लभ है। इसके अलावा बार-हेडेड पक्षी, जो सेंट्रल एशिया में पाया जाता है, इसे बंगोली डेम में देखा गया। इसे सबसे अधिक ऊंचाई उड़ने वाला पक्षी कहा जाता है। ठंड अधिक होने से यह पक्षी अब साउथ की ओर से छत्तीसगढ़ पहुंच रही है।

बेलौदी बांध में जापान के ग्रे हेडेड लेपन का बसेरा

राजधानी से आसपास के बांधों में बड़ी संख्या में विदेशी पक्षियों ने बेसरा बनाया हुआ है। अमलेश्वर स्थित बेलौदी के बांध, पाटन के संतारा बांध और आरंग का कोडार डेम में बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमी प्रवासी पक्षियों को देखने पहुंचे रहे हैं। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर चेतन वर्मा का कहना है कि इन जगहों नर अलग-अलग मौसम में कैस्पियन सागर, तिब्बत और साइबेरिया से प्रवासी पक्षी आते हैं। बेलौदी के बांधा के निकट पेड़ों में ग्रे हेडेड लैपविंग ने ठंड में इस बार बसेरा बनाया है। यह प्रजाति चीन और जापान में पाई जाती है। यह पक्षी चमकीले रंग का होता है और इसके पंजे भी बड़े होते हैं। बांधा के कीड़ों को अपना भोजन बनाती है।

दुर्ग और भिलाई में पहुंच रहीं 70 प्रजातियां

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर का कहना है कि रायपुर से अधिक दुर्ग का ठगड़ा बांध, भिलाई का जवाहर उद्यान समेत मनगट्टा व आसपास के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में हर साल 60 से 70 प्रकार की विदेशी पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसमें यूरेशियन कुर्लु, विम्ब्रेल, ग्रीन सैंडपाइपर, मार्स सेंड पाइपर की प्रजाति सर्वाधिक है। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर डॉ. प्रशांत शर्मा ने बताया कि यूरोपीय रॉबिन पक्षी अंबिकापुर के कुंवरपुर डैम और ग्रामीण इलाकों में देखा जा रहा है। यूरोप से उड़ान भरकर भारत पहुंचते हैं। पूरे ठंड में अलग-अलग हिस्सों में समय बिताते हैं और प्रजनन भी करते हैं, फिर मार्च महीने में इनके लौटने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

टोलाघाट में साइबेरियन पक्षी देखने पहुंच रहे पर्यटक

शहर से जुड़े टोलाघाट में साइबेरियन पक्षियों ने अपना घर बसाया है। पक्षियों के इस झुंड को देखने अब बड़ी संख्या में पर्यटक भी टोलाघाट पहुंच रहे हैं। वन परिक्षेत्र अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि बीते कुछ सालों से साइबेरियन पक्षियों ने टोलाघाट के नदी किनारे पेड़ में अपना बसेरा बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के समय लंबी यात्रा कर ये पहुंचते हैं और लगभग ठंड तक रहते हैं। गर्मी शुरू होने से पहले ही फरवरी में ये चले जाते हैं। बारिश के समय प्रजनन भी करते हैं।

सिटी इवेंट

दिव्यांग बच्चों के साथ खुशियां बांटकर बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद

रायपुर। बुजुर्गों की चौपाल सामाजिक युवा संस्था के सदस्यों ने रविवार को संस्था की 10वीं स्थापना दिवस सेवा, संस्कार और संवेदना के भाव के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बुजुर्गों व दिव्यांग बच्चों के साथ नए वर्ष का दूसरा आशीर्वाद प्राप्त कर समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ। इसके बाद चितवन वृद्धा आश्रम से पधारे बुजुर्गों का पारंपरिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। यह आयोजन इसलिए भी विशेष रहा, क्योंकि मुख्य अतिथि कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व ही आयोजन स्थल पर उपस्थित रहे, जिससे सेवा भाव की प्राथमिकता स्पष्ट दिखाई दी।

दिव्यांग बच्चों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम में बुजुर्गों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य एवं अनुभव साझा करने के भावनात्मक क्षणों ने सभी को भावविभोर कर दिया। वहीं, दिव्यांग बच्चों ने ग्रुप डांस से बताया कि सही मार्गदर्शन और प्रेम से हर बच्चा अपनी प्रतिभा को निखार सकता है। इस दौरान पद्मा शर्मा ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से बच्चों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने संस्था के बच्चों के साथ मिलकर बुजुर्गों को भोजन परोसकर सेवा और समानता का सशक्त संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने गणितिय प्रतिभा में जीते पुरस्कार

रायपुर। रविवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय गणितीय प्रतिभा महाकुंभ का भव्य आयोजन किया गया। 12वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल अरिथमेटिक प्रतियोगिता का आयोजन (अबेकस टैलेंट एलएलपी जो कि छत्तीसगढ़ एवं नागपुर क्षेत्र के लिए) किया गया। प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह महर्षि वाल्मिकी उत्सव मंडप वीआईपी चौक में किया गया। इस मेगा प्रतियोगिता में 5 से 13 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों से भाग लिया। यह प्रतियोगिता राज्य में अपने प्रकार की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक है। प्रतियोगिता को विजुअल, लिसनिंग एवं फ्लैश इन तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया। इन सभी श्रेणियों में विद्यार्थियों अबेकस की सहायता से गणितीय प्रश्नों को हल किया, जो बच्चों के मस्तिष्क विकास का एक विशेष उपकरण है। प्रतियोगिता में विद्यार्थी 8 मिनट में 200 प्रश्नों को हल करते हैं, जो देखना बेहद रोमांचक है। प्रतियोगिता के पश्चात उन विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की गई, जिन्होंने यूसीएमएएस के सभी 8 स्तर सफलतापूर्वक पूर्ण कर इंटरनेशनल ग्रेडिंग एग्ज़ाम उत्तीर्ण किया है। इसी दिन पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक श्रेणी के चैंपियन, जूनियर चैंपियन ऑफ चैंपियंस तथा सीनियर चैंपियन ऑफ चैंपियंस सहित अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए।

स्कूली बच्चों ने नृत्य नाटिका में बताई जीवन में पेड़, शुद्ध हवा, पानी और वन्यजीवों का महत्व

रायपुर। रविवार को साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। स्कूल के वार्षिक उत्सव का थीम संवेदना रखा गया। शाम 5 बजे ऑडिटोरियम में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ एनुअल फंक्शन का धमाकेदार आगाज हुआ। इसमें स्कूल के विद्यार्थियों ने सोशल मैसेज थीम पर बेस्ड कल्चरल एक्ट की प्रस्तुति से टीचर व पैरेंट्स का दिल जीत लिया। वार्षिक उत्सव में स्कूल के नन्हें बच्चों ने पेड़ के गेटअप में मंच पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। इसमें बच्चों ने बताया कि पेड़ लगाना कितना जरूरी है। पेड़ जीवन है, इससे शुद्ध हवा, पानी और वन्य जीवों को निवास मिलता है। बच्चों ने इस एक्ट में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा स्कूल के 12वीं कक्षा के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी थीम पर पारंपरिक लोक गीत-नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों से वार्षिक उत्सव में लोककला और संस्कृति की रंग बिखेरी। एनुअल फंक्शन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा रहे। वहीं, स्कूल के प्राचार्य राकेश चतुर्वेदी, संस्थापक सत्यबाला अग्रवाल, चेयरपर्सन ज्योति अग्रवाल सहित स्कूली छात्र-छात्राएं और पेरेंट्स बड़ी सख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों को नैतिकता, संस्कार और संस्कृति से जोड़ें

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षकों व पेरेंट्स से कहा कि बच्चों के स्कूल की कक्षा में 100 प्रतिशत मार्क लाने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है, अगर उन्हें संस्कार, नैतिकता और संस्कृति की शिक्षा नहीं मिलती है। शिक्षा के अलावा बच्चों को संस्कार, नैतिकता और संस्कृति से भी जोड़ना स्कूल और पेरेंट्स की जिम्मेदारी है। ऐसा होगा तभी बच्चे असल में जीवन में सफल साबित होंगे।

गायन और डांस से सजाया ख्रीस्त जयंती जुबली समारोह

रायपुर। बैरन बाजार स्थित संत जोसफ महा गिरजाघर (कैथोलिक चर्च) में रविवार को ईसाई समुदाय ने ख्रीस्त जयंती जुबली समापन समारोह का आयोजन किया। प्रभु यीशु मसीह के जन्म उत्सव 2025 वर्ष के जुबली जयंती पर पोप संत फ्रांसिस ने विश्व स्तर पर ख्रीस्त जयंती जुबली समारोह के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक आयोजनों के साथ ही वर्ष 2024 से 2025 तक वर्षभर आयोजन किया। गुरविंदर सिंह चड्ढा ने बताया कि पोप संत फ्रांसिस की घोषणा के तहत छत्तीसगढ़ के आर्च बिशप रेव्ह. डा विक्टर हेनरी ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी डायसीस स्तर से लेकर पल्ली स्तर पर धार्मिक और सामाजिक आयोजन किया गया।

बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने दी प्रस्तुति

ख्रीस्त जयंती जुबली समापन समारोह में विधायक सुनील सोनी, आयोजन के अध्यक्ष रेव्ह. फादर डा. जान सेवियर पल्ली पुरोहित, विशेष अथिति पार्षद संतोष सीमा साहू एवं प्रमोद कुमार साहू की उपस्थिति रही। बच्चों, युवा संघ और महिला मंडल द्वारा प्रभु यीशु के जन्म की नाट्य प्रस्तुति, गायन और डांस की शानदार प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ, शाल और मेमोटो से पल्ली परिषद के सचिव सिलवेक्टर एक्का, प्रशासनिक कार्य व मीडिया प्रभारी गुरविंदर सिंह चड्ढा, युवा समाज सेवी ऐनी पीटर, महिला मंडल अध्यक्ष ललीता लकड़ा, युवा संघ अध्यक्ष नम्रता मिंज, कब्रस्थान समिति के सचिव निकोलस सिंह ने किया।

10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के सिलेबस+ब्लूप्रिंट+अंक विभाजन को लेकर टीचर्स ने साझा किए एग्जाम टिप्स

मैथ्स विषय के नियमित अभ्यास से एग्जाम हॉल में सवालों को हल करते समय सूत्रों को भूलेंगे नहीं

कार्नर न्यूज

रायपुर। मैथ्स का विषय नियमित प्रैक्टिस मांगता है। प्रैक्टिस से ही मैथ्स विषय के सवालों व फार्मूलों को समझा व याद रखा जाना संभव है। ऐसे करने से एग्जाम हॉल में सवालों व उनको हल करने के सूत्रों को भूलेंगे नहीं। यह कहना है कुशालपुर गवर्नमेंट हाईस्कूल की लेक्चरर, मैथ्स टीचर श्वेता बारिक का। वे बोर्ड परीक्षा के टिप्स देते हुए बताती हैं कि मैथ्स के सवालों पर पकड़ के लिए नियमित प्रैक्टिस चाहिए होती है। हम स्कूल में बच्चों को बोर्ड एग्जाम पैटर्न के अनुरूप तैयारी कराते हैं, ताकि वह एग्जाम में सफल हो सके। इसके लिए निर्धारित बोर्ड पैटर्न के अनुसार सिलेबस बेस सवालों को अंक विभाजन के हिसाब से हल कराना शामिल है। इसके लिए क्लास रूम में 10वीं के मैथ्स विषय के सिलेबस में विद्यार्थियों को बहुपद ज्यामितीय, आयकर, त्रिकोणमिति, समीकरण, बीजगणित, अनुपात, समानुपात, योगअनुपात, बहुलक, आवर्ती जमा खाता और सावधि जमा खाते, पाइथागोरस प्रमेय, थेल्स के प्रमेय से जुड़े फार्मूलों को प्रैक्टिस से समझाने व याद रखने के तरीके बताते हैं। सिलेबस, ब्लूप्रिंट और अंक विभाजन के अनुरूप ही चैप्टर की तैयारी ही बोर्ड एग्जाम की बेस्ट तैयारी का तरीका है। मैथ्स विषय के इस तैयारी को विद्यार्थी भी बड़ी रुचि के साथ पढ़ाई करते हैं। इस तरह से जो स्टूडेंट्स इस वर्ष बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए हरिभूमि ने शहर के गवर्नमेंट हाईस्कूल व हायर सेकंडरी स्कूलों के मैथ्स लेक्चरर, टीचर्स से खास बातचीत की है, जिस पर टीचर्स ने एग्जाम टिप्स साझा किए हैं।

नियमित यूनिट टेस्ट के साथ प्री-बोर्ड एग्जाम भी

दानी गर्ल्स स्कूल के लैक्चरर, मैथ्स टीचर सीके वर्मा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए टिप्स देते हुए बताते हैं कि बोर्ड एग्जाम का पैटर्न सिलेबस+ब्लूप्रिंट+अंक विभाजन पर आधारित होता है। इसी के आधार पर हम बच्चों को गणित विषय के सवालों, सूत्रों की प्रैक्टिस कराते हैं। क्लास में नियमित यूनिट टेस्ट के साथ ही प्री-बोर्ड एग्जाम भी आयोजित होता है। स्टूडेंट्स को परीक्षा में सफलता के साथ ही अच्छे अंक हासिल करने हैं तो क्लास में यूनिट टेस्ट, प्री-बोर्ड एग्जाम के सवालों को नियमित घर पर हल करना चाहिए। वहीं, अंक विभाजन के स्टेप टू स्टेप 1 नंबर, 4 नंबर, 5, नंबर, 6 नंबर के प्रश्नों को विभाजित कर तैयारी कराना चाहिए।

सिलेबस की प्रैक्टिस करेंगे तो दबाव नहीं आएगा

टीचर्स व काउंसलर संजीव सूर्यवंशी का कहना है कि बोर्ड एग्जाम को लेकर नियमित तौर पर सिलेबस की प्रैक्टिस करेंगे तो दिमाग पर दबाव नहीं आएगा। पार्ट-पार्ट में सिलेबस रीडिंग की टाइमिंग मैनेज कर लें। फिर तैयारी करें, ऐसा करने से परीक्षा के समय पर एकदम से बोझ दिमाग पर नहीं आएगा। विषयों की बार-बार प्रैक्टिस से आपका मनोबल भी बढ़ेगा। जब स्टूडेंट्स नियमित तौर पर टाइम मैनेजमेंट कर विषयों की तैयारी करेंगे तो उनको परीक्षा हॉल में किसी तरह के नर्वस मोमेंट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही वह निर्धारित समय पर सभी प्रश्नों को अच्छी तरह से हल कर पाएंगे।

समाज लाइव

अब विदेशों में भी खोले जाएं मराठी साहित्यिक प्रतियोगिता के लिए केंद्र

रायपुर। बेलगांव जैसे अछूते शहर को मराठी साहित्यिक प्रतियोगिता के परीक्षा केंद्र के रूप में जोड़ें तो प्रतिभागियों की संख्या में इजाफा होगा। इसी तरह ओवरसीज में परीक्षा केंद्र खोलने के लिए हम अपने स्तर पर मध्यप्रदेश मराठी साहित्य अकादमी का सहयोग भी करेंगे। शुरुआती तौर पर आयरलैंड में चंद दिनों में परीक्षा केंद्र शुरू करेंगे। बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शेखर राव साहेब अमीन ने रविवार को यह विचार व्यक्त किए। अमीन मध्य प्रदेश मराठी साहित्य अकादमी रायपुर में मराठी साहित्यिक परीक्षा के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। आरुषि कुंभकार का गोधंल नृत्य प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

साहित्य को बढ़ावा देने 35 नए परीक्षा केंद्र खोले

विशेष अतिथि रहे बृहन्महाराष्ट्र मंडल के कार्यवाह सुबोध टोले ने कहा कि यहां मौजूद हर सदस्य पांच लोगों को मराठी साहित्य से जोड़कर ऐसे आयोजनों में भाग लेता है तो हमारा अगला आयोजन बड़े हॉल में होगा। मध्यप्रदेश मराठी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष मिलिंद देशपांडे ने कहा कि इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। हमने 35 नए परीक्षा केंद्र खोले हैं, इनमें अजमेर, जयपुर, बेंगलुरु, वापी, हैदराबाद जैसे केंद्र शामिल हैं। इस बार मराठी अभिनव वाचन में 863, पत्र लेखन में 150 और निबंध लेखन में 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुखद पहलू यह है कि पहली बार हमारा आयोजन ओवरसीज रहा और विदेशों से प्रतिभागियों ने भाग लिया है।

धर्म लाइव

एम्स में मरीजों के परिजनों को बांटे कंबल और फल, विशाल भंडारे का आयोजन

रायपुर। एम्स हॉस्पिटल में विशाल भोज भंडारा एवं कंबल और फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन नववर्ष के अवसर पर मानवता, सेवा और संवेदना का संदेश देते हुए प्रदेश की जानी-मानी स्वयंसेवी संस्था हरसंभव फाउंडेशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम एम्स हॉस्पिटल के गेट नंबर-4 के समीप हुआ। हरसंभव फाउंडेशन की अध्यक्ष पुष्पलता त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम संस्था के सभी सदस्यों के सहयोग से किया गया। सबसे विशेष बात यह है कि इसमें फाउंडेशन के सभी सहयोगी स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसकर और कंबल एवं फल वितरित किए, जो सेवा भाव के साथ मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उदाहरण है। अस्पताल परिसर में आने वाले कैंसर मरीजों के परिजन, गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को इस सेवा का लाभ ठंड से राहत देने का माध्यम बना।

इन्होंने दिया सहयोग

इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मी चंद्राकर, पूनम शुक्ला, डॉ. बबीता साहू, डॉ. मुकेश शाह, नीतू गुप्ता, भारती शर्मा, पदमा शर्मा, कस्तूरी साहू, सरिता झा, नेहा संतोषवार, पूनम मिश्रा, तृप्ति सक्सेना, मंजू मिश्रा, मंजू इंग्ले, शकील खान, सुनीता सिंह, अंजू अग्रवाल, रेवती सिंह, रागिनी सिंह, वीणा रावत, अर्चना शर्मा, भारती शुक्ला, गीता कटारिया, मनोरमा बाजपेई, उर्मिला सोनी सभी के सहयोग से भव्य भंडारा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आराधना

अकाल मृत्यु से बचने के लिए श्रीमद्भागवत कथा जरूर सुनें

रायपुर। ज्ञान यज्ञ केवल यश पाने के लिए और किसी इच्छा के अधीन किया गया धर्म नहीं, बल्कि कथा के माध्यम से अंतःकरण को भी शुद्ध किया जाता है। भगवान को पाने की इच्छा को लेकर परीक्षित और सुखदेव संवाद भी सुन लें तो जीवन धन्य हो जाएगा। अकाल मृत्यु से बचने के लिए भागवत कथा का श्रवण जरूर करें। श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन हीरापुर में आचार्य झम्मन शास्त्री ने कहा कि प्रभु की लीला के बिना ना कोई जन्म ले सकता और ना किसी की मृत्यु होती है। सभी कालचक्र में ईश्वर की सहमति विद्यमान होती है। आकृतार्थ जीवात्मा को पुनर्जन्म लेना पड़ता है, इसलिए 24 घंटे में कम से कम सवा घंटा प्रभु की स्तुति, भजन-कीर्तन करना चाहिए। जीवन का उद्देश्य ईश्वर को पाना है, न कि केवल धन और वैभव को हासिल करना।

धरती माता को 104 डिग्री बुखार सता रहा

महाराज ने कहा कि पार्टी और सरकार परोपकार के लिए हैं, न की स्वहित के लिए। देश में लोग गौ माता के चरागाह पर कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। माता को संरक्षित करने के लिए कोई तैयारी किसी सरकार की नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में शुद्ध दूध, घी-दही और मक्खन कहां से मिलेगा। भागवत कथा में शामिल होने के लिए युवा नहीं आते जबकि श्रीराम कथा और भागवत कथा का उद्देश्य भटकते युवाओं को ग्रंथ के माध्यम से धर्म से जोड़ना है। इसीलिए, हर घर में एक युवा को ऐसे ही कथाओं में शामिल होना चाहिए। आगे कहा कि छत्तीसगढ़ पूर्ण भूमि है, भगवान श्रीराम का ननिहाल है। आज धरती माता को 104 डिग्री बुखार सता रहा है।

● राष्ट्र स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन में 1272 ने जीवनसाथी तलाशे

आस्ट्रेलिया-अमेरिका से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर युवक युवतियों की लाइव इंट्रो, स्क्रीन पर पसंद और रिश्ते की बात

राष्ट्र स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन में विदेश में बसे समाज के युवक-युवतियों ने भी जीवन साथी तलाशा। सम्मेलन में देश के अलावा आस्ट्रेलिया, अमेरिका से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रतिभागी युवक-युवतियों ने लाइफ पार्टनर चुनने अपना लाइव इंट्रो दिया और रिश्ते की बात की। इन युवक-युवतियों ने डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर जैसे प्रोफेशनल के अलावा खेती-किसानी, बागवानी और व्यापार-उद्योग से जुड़े स्टार्टअप जीवन साथी को अपना च्वॉइस बताया।

रायपुर। रविवार को शहीद स्मारक भवन में राष्ट्र स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के तत्वावधान में हुआ। परिचय सम्मेलन सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित किया गया। देश-विदेश सहित कुल 1272 सतनामी समाज के युवक-युवतियों ने जीवन साथी तलाशा। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे ने बताया कि परिचय सम्मेलन के माध्यम से नवयुगल जोड़ों को मिलाकर रिश्ता कायम करने का पुनीत कार्य पिछले 10 वर्षों से लगातार अकादमी कर रही है। सतनामी युवक-युवती देश भर से अपने अभिभावकों के साथ परिचय सम्मेलन में पहुंचे। वहीं, विदेशों से भी युवाओं ने मनपसंद जीवन साथी तलाशा।

इन पदाधिकारियों ने संभाली व्यवस्था

इस पूरे आयोजन में संरक्षक शकुन डहरिया, अध्यक्ष केपी खण्डे, डॉ. जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुंदरलाल जोगी, चेतन चंदेल, केएन भारद्वाज, अरुण मंडल, चंपादेवी गेंदले, आरके पाटले, प्रकाश बांधे, कृपाराम चतुर्वेदी, लाला पुरेना, संतोष महिलांग ,पं. अंजोरदास बंजारे, मनीष कोसरिया, टिकेंद्र बघेल, रघुनाथ भारद्वाज, सुखनंदन बंजारे, घासीदास कोसले, ईश्वर बारले, गुलाब महिलांग, नंदू मार्कंडेय, दयाराम जांगड़े, आसाराम लहरे, महिला पदाधिकारियों में डॉ. कल्याण रवि, गिरिजा पाटले, डॉ .भुनेश्वरी भारद्वाज, आशा पात्रे, डॉ. दुर्गा गेंदले, उमा भतपहरी, सीमा सोनी, संगीता बालकिशोर, सुनंदा बघेल, ममता कुर्रे आदि ने व्यवस्था संभाली। वहीं, परिचय सम्मेलन में समाज के हजारों लोग उपस्थित रहे।

335 परिवारों के बीच रिश्तों की बातचीत आगे बढ़ी

परिचय सम्मेलन में काउंसिलिंग के बाद 335 से भी अधिक परिवारों के बीच रिश्तों की बातचीत आगे बढ़ गई है। वहीं, एलइडी स्क्रीन व फेसबुक लिंक व वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर में समाज के बीच इसे लाइव प्रसारण दिखाकर रिश्ते जोड़ने की पहल की गई, जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला। सैकड़ों, हजारों किलोमीटर दूर से ही प्रतिभागियों को पसंद कर बायोडाटा की जानकारी लेते रहे।

युवकों को संस्कारवान चाहिए युवतियों ने की नशेड़ी से तौबा

परिचय सम्मेलन में युवकों ने अपनी पसंद में बड़े, बुजुर्गों व परिवार के सदस्यों से तालमेल बनाकर सम्मान देने वाली संस्कारवान शिक्षित पत्नी की जरूरत बताई तो वहीं युवतियों ने भी नशापन करने वाले से रिश्ता नहीं जोड़ने व पत्नी का ख्याल रखते हुए हमेशा खुश रखने वाले सक्षम, ईमानदार व कमाऊ पति की इच्छा जाहिर की। वहीं विधवा, विधुर व तलाकशुदा महिला, पुरुषों ने भी दोबारा गृहस्थी बसाने समाज से सहयोग मांगा।

सरकारी नौकरी नहीं, सही जीवन साथी को चुनें

सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के युवाओं को कृषि के साथ-साथ व्यापार व स्वरोजगार की दिशा में भी आगे आना होगा। सरकारी नौकरी की चाह में युवक-युवतियों को उम्र ना बढ़ने का आह्वान किया। राजश्री सद्भावना समिति की ओर से कार्यक्रम स्थल पर निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया।

सुधा की रचनाओं में सरलता और भोलापन सातों कृतियों में समाहित सांस्कृतिक धरोहर

रायपुर। हिंदी और छत्तीसगढ़ी में अच्छी भाषायी दखल रखने वाली चर्चित लेखिका सुधा वर्मा लिखित सात किताबों का विमोचन रविवार को वृंदावन हाल में किया गया। इसमें विद्वान लेखकों और लेखिकाओं ने भी अपना अभिमत दिया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. परदेशी राम वर्मा थे। अध्यक्षता डॉ. सत्यभामा आडिल ने की। मुख्य अतिथि डॉ. वर्मा ने कहा कि कई विधाओं में एक साथ लिखना और लोक परंपराओं को अपनी रचनाओं में जिंदा रखना लेखिका की विशेषता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. चित्तरंजन कर ने कहा कि सुधा की रचनाओं में सरलता और भोलापन झलकता है। उनका गद्य लेखन सहज ही आकर्षित करता है। सुधीर शर्मा ने कहा कि सुधा के सभी कृतियों में हमारी सांस्कृतिक धरोहर की झलक समाहित हैं। पुस्तक विमोचन समारोह में चर्चित साहित्यकारों ने भी मंच साझा किया।

सामाजिक रूप से भी जागरूक करने वाली

वहीं, डुमन लाल ध्रुव ने चार नाटकों पर अपने विचार रखते हुए कहा कि सुधा वर्मा का नाट्य लेखन लोक और जीवन से जुड़ा है। चाहे वह स्त्री के नैतिक आदर्श हो, प्रकृति और मनुष्य का संबंध हो या लोक कथा का हास्यात्मक पुनर्सृजन हो। लेखिका की दृष्टि मानवीय, संवेदनशील और सामाजिक रूप से जागरूक करने वाली है। डॉ. कल्पना मिश्र ने उनकी कविताओं पर अपने विचार रखते हुए कहा कि सुधा ने विविध विमर्श पर कविता लिखती हैं। वह खुद के लिए नहीं लिखती, बल्कि समाज के लिए लिखती हैं। वे अपनी कविताओं में मां को अक्सर याद करती हैं। मंच संचालन करते हुए विजय मिश्रा 'अमित' ने अनुभव साझा करने के लिए लेखिका सुधा को मंच दिया।

कहानी लगती है अपने ही आसपास की घटना

समारोह में डॉ. उर्मिला शुक्ल ने लेखिका सुधा वर्मा के छत्तीसगढ़ी उपन्यास 'बन के चंदैनी' को नारी सशक्तीकरण और 'इन्द्रावती की बेटी' को बस्तर की संस्कृति और पर्यावरण को उजागर करने वाला उपन्यास बताया। वहीं, डॉ. संध्या रानी शुक्ला ने हिंदी उपन्यास 'खुला आसमान' पर कहा कि यह स्त्री विमर्श की कहानी है। डॉ. मीता अग्रवाल ने तीन छत्तीसगढ़ी कहानी संग्रहित पर बात की। छत्तीसगढ़ी कहानियों को संवेदना से सराबोर बताया। उनकी हर कहानी अपने ही आसपास की घटना लगती है। सरला शर्मा ने कहा 'वे दिन भी अपने थे' संस्मरण संग्रह बचपन की यादों से शुरू होता है। वह घर- परिवार, आसपास को समेटता हुआ यात्रा वृतांत की तरफ बढ़ता है।

नववर्ष मिलन समारोह में बांटी खुशियां सांस्कृतिक प्रस्तुति ने मोहा मन

रायपुर। कमल विहार सेक्टर-6 के नवगठित वसुधैव कुटुम्बकम वेलफेयर सोसायटी ने नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने सोसायटी लोगो को विमोचन किया। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम हमारा हिन्दू संस्कार और संस्कृति से जुड़ा होने के कारण विशेष महत्व रखता है। इस नाम का बहुत वृहद और विशाल अर्थ है। इस नाम के अनुरूप हम काम कर पायें ऐसा प्रयास करना चाहिए। पार्षद मनोज जांगड़े ने भी नवगठित सोसायटी के लिए सदस्यों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन रितेश मिश्रा और डॉ. भाग्या शर्मा ने किया।

बच्चों व महिलाओं ने दी प्रस्तुति

इस अवसर पर सोसायटी के शिवांक मिश्रा, अनुष्का शर्मा, सौम्या शर्मा, गुंजन ठक्कर, अपराजिता मिश्रा, पार्थ ठक्कर एवं महिला सदस्यों में इंद्रावती कुशराम, भूमिका ठक्कर, ऋचा मिश्रा, मोहिनी राबड़े, दुलारी गुप्ता, रीना शर्मा, भारती शर्मा, जान्हवी खुबनानी और नीलकमल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। आयोजन को सफल बनाने में समिति के संस्थापक सदस्यों में प्रमुख जितेन्द्र कुमार साहू, भरत ठक्कर, आकाशदीप शर्मा, मनीष कुमार मिश्रा, रितेश मिश्रा, रोहित शर्मा और भरत राजपुरोहित कार्यक्रम संयोजक की सहभागिता रही। कार्यक्रम में सुरेश गुप्ता, राणा कुमार सिंह और प्रदीप खुबनानी ने भी अहम भूमिका निभाई। वरिष्ठ सदस्यों में अश्विनी शर्मा एवं रामेश्वर विश्वकर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मनीष कुमार वर्मा, अजय डेकाटे, संजय डेकाटे, दीपक गुरुवंशी, धर्मेंद्र चंद्राकर, सुषमा मिश्रा एवं विंदेश्वरी चंद्रवंशी आदि उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में अध्यात्म सम्मेलन एवं कबीर विचार गोष्ठी में संत-महंतों ने दिए प्रेरक संदेश

अध्यात्म मानव जीवन की नींव, इसके बिना जीना संभव नहीं, संत कबीर की वाणी में निहित है दया, करुणा-प्रेम

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ संत संगठन सदगुरु कबीर विश्व शांति मिशन के तत्वावधान में मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में रविवार को भव्य अध्यात्म सम्मेलन एवं कबीर विचार गोष्ठी सदगुरु कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें गुजरात से आए संत गुरु भूषण साहब ने कहा कि अध्यात्म जीवन की नींव है। इसके बिना जीवन संभव नहीं है, क्योंकि अध्यात्म मनुष्य की आत्मा है। आत्मा के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। कबीर साहेब का मूल संदेश 'जीव दया और आत्मा पूजा, कहहि कबीर धर्म नहीं दूजा।' नदिया धाम से आए आचार्य मंगल साहब ने कहा कि कबीर की वाणी प्रेम, करुणा, दया, समर्पण सिखाती है, जो अध्यात्म के बिना संभव नहीं है।

कबीर की वाणी पर पीएचडी की डिग्री ले रहे

उन्होंने आगे कहा कि कबीर साहेब का परमात्मा बाहर नहीं है, सभी के अंदर निहित है। इस अवसर पर दूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास ने कहा कि कबीर को लोग अनपढ़ कहते थे, लेकिन लोग सिर्फ अक्षर की बात करते थे। कबीर का ज्ञान इतना ऊंचा है कि आज लोग कबीर की वाणी पर पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर रहे हैं। पाटेश्वर धाम से पधारे राम बालक दास ने कहा, कबीर की वाणी से लोगों में मानवता, भाईचारा, सहिष्णुता और मानवीय मूल्य प्राप्त होता है। कबीर की वाणी गुरु से गोविंद को प्राप्त करने में समर्थ बना देता है।

परमात्मा कहीं बाहर नहीं, हम सबके भीतर

छत्तीसगढ़ संत संगठन के अध्यक्ष संत रविकर साहब ने कहा कि आत्मस्थ होना जीवन का परम लक्ष्य है। हमारा अस्तित्व आत्मा से जुड़ा है, आत्मा से अलग भटकना नहीं है। कबीर की वाणी में मूल संदेश परमात्मा कहीं बाहर नहीं, हम सबके भीतर निवास करता है। अध्यक्ष ने कहा कि यह संगठन कबीर पंथ के सभी परंपरा को जोड़कर एकता स्थापित करने के साथ प्रेम और भाईचारा का संदेश देना है। समारोह में साध्वी समष्टि, साध्वी समता, साध्वी भागवती, साध्वी सुमन, पुराण साहेब, घनश्याम साहब, पंचम साहब, देवेंद्र साहब ने उद्बोधन दिया।

शांति और सद्भावना स्थापित करना कठिन हो जाता

महोत्सव में क्षेमेंद्र साहब, भुवनेश्वर साहेब, कुमार साहब, बलवान साहब, जितेंद्र साहब, लखन साहब, विजय साहब, पूर्णेन्द्र साहब के साथ 200 संतों की उपस्थिति रही। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से भक्तों ने संतों की वाणी का लाभ लिया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति, समता और प्रेम स्थापित करना है। आत्मा कबीर की वाणी से आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक सौहार्द स्थापित करना और संस्कारवान परिवार, समाज एवं राष्ट्र का निर्माण करना है। युवा संस्था के संस्थापक राजीव राव ने लोगों से कहा कि हम सभी संतों के आभारी हैं, संत नहीं होते तो समाज में शांति और सद्भावना स्थापित करना कठिन हो जाता।

हेल्थ टिप्स

अंडर-16 में छत्तीसगढ़ की शानदार पारी, अरहम ने लिए 2 विकेट

रायपुर। बीसीसीआई की ओर से मेंस अंडर-16 विजय मर्चेन्ट मल्टी डे ट्रॉफी 2025 का आयोजन 07 दिसंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का प्री क्वार्टर मैच (04-06 जनवरी) को बडोदरा में असम अंडर-16 टीम के विरुद्ध खेला गया। पहले दिन असम अंडर-16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 50.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 124 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अर्शवीर सिंह भाटिया ने 29 रन तथा उज्जवल सिंह मरकाम ने 28 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त अरहम नाहर ने 15 रन बनाये। असम की ओर से नित्रिक राज ने 5 विकेट तथा प्रिंस बोरा ने 3 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक असम ने अपनी पहली पारी में 36 ओवरों में 2 विकेट खोकर 116 रन बना लिये हैं। असम की ओर से सुरजित सैकिया ने 66 रन बनायें। उनके अतिरिक्त सुभाश विश्वास ने नाबाद 26 रन तथा अमन यादव ने नाबाद 20 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अरहम नाहर ने 2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक असम 8 रनों से पीछे हैं।

शैलेन्द्र चुने गए मि रायपुर, बेस्ट पोजर का खिताब मिला रवि को

रायपुर। रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन एवं टी गोल्ड जिम के तत्वाधान में मि रायपुर बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता एवं पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन बूढ़ेश्वर मंदिर भवन में किया गया । जिसमें खरोरा के शैलेन्द्र देवांगन को मि रायपुर चुना गया। बेस्ट पोजर रवि नायक एवं इम्प्रूव बॉडी बिल्डर मुकेश कुमार कांडरा रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक शिव मोहन शुक्ला, दुर्गेश साहू और लक्ष्मीकांत ताम्रकार थे। मि रायपुर के परिणाम में 50 किग्रा में प्रथम वाशु साहू, द्वितीय मो जियारत और तृतीय सतीश यादव, 55 किग्रा मे प्रथम परमानंद तांडी, द्वितीय चंद्र कुमार कांत और तृतीय वेदांत नायक, 60 किग्रा में प्रथम मुकेश कुमार कांड्रा, द्वितीय ख्वाइस कुमार काटले, तृतीय ईश्वर निषाद, 65 किग्रा में प्रथम रवि नायक, द्वितीय ललित तांडी , तृतीय सुनील यादव, 70 किग्रा में प्रथम सूरज वर्मा , द्वितीय विपुल मंडल, 75 किग्रा में प्रथम शैलेन्द्र देवांगन, द्वितीय दीनदयाल साहू, 75 से ऊपर प्रथम विमल सिंह डोंगरा, 40 वर्ष से ऊपर मास्टर वर्ग में प्रथम रहमत अली, द्वितीय दीपक सोनकर और तृतीय देवेंद्र शारदा रहे। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम नीलोफर अली और द्वितीय अंशु कटियार रहे। पावर लिफ्टिंग में प्रथम देवश्री पैकरा, 52 किग्रा में गोल्ड समीक्षा कुमारी, 57 किग्रा में सांची शर्मा, 63 किग्रा में गोल्ड मानसी साहू, 69 किग्रा में गोल्ड अंशिका शर्मा, 76 किलोग्राम में गोल्ड प्रेरणा साहू, 84 किग्रा में गोल्ड सिमरन जोत, 69 किग्रा में गोल्ड कमला देवी मांगतानी, मास्टर में गोल्ड स्ट्रांग वूमेन सब जूनियर समीक्षा, जूनियर स्ट्रांग वूमेन सांची शर्मा और स्ट्रांग वूमेन सीनियर मधु अहीर रहे।

प्लेट कंबाइन और राजनांदगांव की अंडर-19 क्रिकेट में जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-19 एलिट ग्रुप चार दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे राउंड के तीसरे दिन के मैच रविवार को हुए। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम बीएसपी विरुद्ध प्लेट कंबाइंड के बीच मुकाबले में बल्लेबाजी में बीएसपी टीम फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में कल के अपने स्कोर एक विकेट पर तीन रन से आगे खेलते हुए 139 रन बनाकर आउट हो गई। अभिषेक शुक्ला ने 33 रन, हर्ष सूचक ने 29 रन और आयुष्मान तिवारी एवं कप्तान नितांत सिंह ने 19-19 रन बनाए। गेंदबाजी में प्लेट कंबाइंड के आदित्य यादव ने चार विकेट, ओम कोसले ने तीन विकेट, अमर्त्य पटेल ने दो विकेट और आदित्य गुहा ने एक विकेट लिया। परिणामस्वरूप प्लेट कंबाइन ने यह मैच एक पारी एवं 137 रन से जीता एवं 7 अंक प्राप्त किए। दल्ली राजहरा में राजनांदगांव विरुद्ध कांकेर में राजनांदगांव ने एक पारी एवं 117 रन से जीत हासिल की एवं सात अंक प्राप्त किए। धमतरी में टीम दुर्ग विरुद्ध बिलासपुर के मैच में बल्लेबाजी करते हुए दुर्ग टीम दूसरी पारी में अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 123 रन से आगे खेलते हुए 178 रन बनाकर आउट हो गई। शिवम यादव ने 38 रन, आनंद त्रिपाठी ने 36रन बनाएं। गेंदबाजी में बिलासपुर के सक्षम चौबे एवं अयान उपाध्याय ने तीन-तीन विकेट लिए। आदित्य श्रीवास्तव ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में बिलासपुर ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 176 रन बनाए। आर्यन सिंह ने 53 रन, गुणवंत अवस्थी ने नॉट आउट 43 रन, अयान उपाध्याय ने तीस रन और श्रीसंत खरे ने 24 रन बनाए। गेंदबाजी में दुर्ग के युग देश लहरा एवं सार्थक बाजपेई ने दो-दो विकेट लिए।

हर साल जनवरी में मनाया जाता है 'थायराइड जागरूकता माह'

थायराइड की दवाई ले रहे हैं तो भूल कर भी न करें ऐसी गलतियां, बढ़ सकती है आपकी तकलीफ

अनियमित दिनचर्या और तनावपूर्ण जीवन शैली के चलते थायराइड की समस्या आजकल आम हो चुकी है। देखा जाए तो दिन पर दिन जितनी अधिक मेडिकल सुविधाएं बढ़ती जा रही हैं, वहीं थायराइड से पीड़ित लोगों की दवाइयों के सेवन पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।

दरअसल, इसकी वजह थायराइड के संबंध में सही जानकारी का अभाव है। असल में लोग या तो सही समय पर थायराइड की समस्या की पहचान नहीं कर पाते हैं या फिर दवाईयों के सेवन को लेकर लापरवाही बरतते हैं। नतिजन उन्हें इन दवाईयों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में थायराइड के बारे में लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है। थायराइड के दवाईयों के सेवन से जुड़ी कुछ सावधानियों के बारे में आपको जानना जरूरी है ताकि आप इन गलतियों से बच सकें।

गौरतलब है कि हर साल जनवरी का महीना 'थायराइड जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इस बार भी जनवरी में 'थायराइड जागरूकता माह' के तहत, थायराइड को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दिशा में जानिए थायराइड की दवा लेने के सही समय और सही तरीका।

कैसे काम करती है थायराइड की दवा?

थायराइड की दवाई को लेकर जुड़ी सावधानियों को जानने से पहले आपको ये जानना चाहिए कि यह किस

तरह से काम करती है। आपको बता दें कि थायराइड एक तरह से एक हार्मोनल असंतुलन की स्थिति है, जिसमें गले में मौजूद थायराइड ग्लैंड से थायराइड हार्मोन का अनियंत्रित स्त्राव होता है। इस स्थिति में या तो थायराइड हार्मोन का स्त्राव कम हो जाता है या बढ़ जाता है। वहीं इस हार्मोनल बदलाव का हमारी सेहत पर नकारात्मक असर होता है, जिसके कारण थकान और अनियंत्रित वजन की समस्या पेश आती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर थायराइड हार्मोन को संतुलित करने के लिए दवा की सलाह देते हैं। यह दवा आपके शरीर में थायराइड हार्मोन को संतुलित करने का काम करती है, जिससे आप थायराइड हार्मोन के असंतुलन से होने वाले दुष्प्रभावों से बच सकें। गौरतलब है कि थायराइड के रोगी को यह दवा हर रोज लेनी होती है, ताकि पूरी तरह से थायराइड हार्मोन के असंतुलन पर नियंत्रण पाया जा सके। अब उन सावधानियों के बारे में जान लेते हैं, जो इस दवा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है।

दवा की डोज का खास ध्यान रखें

थायराइड के रोगी को नियमित अंतराल पर अपनी थायराइड की जांच करानी चाहिए और उसके अनुसार ही डॉक्टर की सलाह पर दवा की डोज लेनी चाहिए। दरअसल, डॉक्टर आपके शरीर में थायराइड के स्तर को ध्यान में रखते हुए डोज निर्धारित करते हैं। इसलिए खुद से दवा की डोज कभी निर्धारित न करें।

दवा के सेवन के समय का ध्यान रखें

थायराइड की दवा से जुड़ी सबसे बड़ी सावधानी इसके सेवन के समय का ध्यान रखना है। दरअसल, थायराइड की दवा सुबह के वक्त खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है ताकि ये बॉडी में अच्छी तरह से अब्जॉर्ब हो सके।

दवा लेने के बाद आधे घंटे तक कुछ न खाएं

थायराइड की दवा लेते इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए इस दवा के सेवन के आधे घंटे बाद तक आप कुछ न खाएं। दवा के सेवन के आधे घंटे बाद ही आप चाय या नाश्ता ले सकते हैं।

चाय या कॉफी के साथ इसका सेवन न करें

इसके साथ ही ध्यान रहे कि थायराइड की दवा का सेवन हमेशा सादे पानी के साथ करना चाहिए। थायराइड की दवा को कभी भी चाय या कॉफी के साथ नहीं लेना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से इस दवा का प्रभाव कम हो सकता है।

थायराइड की दवा कभी मिस न करें

थायराइड की दवा के सेवन के दौरान नियमितता बेहद जरूरी है... आपको हर रोज नियमित रूप से इसका सेवन करना होता है। लापरवाही के चलते ये दवा आपको किसी भी दिन मिस नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इसके कारण भी इस दवा का असर कम हो सकता है।

नौकायन की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी

रायपुर। 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप एवं 13 वीं कैनो स्लैलम राष्ट्रीय सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में जाने से पहले कयाकिंग एंड कैनोइंग के खिलाड़ियो ने खेलमंत्री व उपमुख्यमंत्री अरूण साव से मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय कायाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन के तत्वावधान में 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप 6 से 9 जनवरी तक मध्य प्रदेश के भोपाल शहर की लोअर लेक में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 19 बालक और 12 बालिका खिलाड़ी, 2 कोच भाग ले रहे हैं।

इसके अलावा, 13वीं कैनो स्लैलम राष्ट्रीय सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप 12 से 15 जनवरी तकमध्यप्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में 2 बालक और 2 बालिका खिलाड़ी, 1 कोच भाग ले रहे हैं। दोनों चैंपियनशिप में जाने से पूर्व प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन की अगुवाई में चैंपियनशिप में जाने वाले सभी खिलाड़ियो ने रविवार को खेल मंत्री अरुण साव से उनके निवास पर मुलाकात की व उन्हें दोनों चैंपियनशिप की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान खेल मंत्री ने खेल विभाग से प्रदत ट्रेक सूट का वितरण किया व सभी खिलाड़ियो को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हर बार की तरह इस बार भी खिलाड़ी मेडल जीतेंगे। चैंपियनशिप में जगदलपुर के 6 खिलाड़ी भी शामिल हैं व एनआईएस कोच पिंकी साहू और सहायक कोच परवेश सोनवाने भी टीम के साथ जा रहे हे। राज्य को ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक पदक कायाकिंग एंड कैनोइंग खेल के खिलाड़ी लगातार दिलाते आ रहे है। हर साल सब्जूनियर, जूनियर, सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य को कायाकिंग एंड कैनोइंग के खिलाड़ी पदक प्राप्त कर रहे है। इस अवसर पर, बलदेव सिंह भाटिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, रोहित काले कार्यकारी अध्यक्ष,छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, अभिजीत मिश्रा सचिव, छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, अमरजीत छाबड़ा सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ ने अपनी शुभकामनाएँ दी है।

इस सरल विधि से बनाएं गोंद के लड्डू, रोज एक खाने से सर्दियों में रहेगा शरीर गर्म

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्माहट और मजबूती की जरूरत होती है। यही कारण है कि भारतीय रसोई में इस मौसम के लिए खास व्यंजन बनाए जाते हैं। इन्हीं में सबसे खास है गोंद का लड्डू जो स्वाद में भरपूर, सेहत के लिए फायदेमंद और पारंपरिक व्यंजन है। सर्दियों में गोंद के लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि ठंड से लड़ने की देसी दवा है, जिसे दादी-नानी के जमाने से आजमाया जाता रहा है। खाने वाली गोंद शरीर को अंदर से गर्म रखती है। यह जोड़ों को मजबूती देती है, थकान कम करती है और कमजोर शरीर को ताकत देती है। खासकर, सर्दियों में हाथ-पैर दर्द, जोड़ों की अकड़न, कमजोरी और लो एनर्जी, डिलीवरी के बाद महिलाओं की रिकवरी इन सब में गोंद का लड्डू बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि उत्तर भारत में सर्दियों के आते ही घर-घर में गोंद के लड्डू बनाए जाते हैं। गोंद का लड्डू सर्दियों में सिर्फ मिठाई नहीं, बल्कि शरीर की ढाल है। यह ठंड से लड़ने की ताकत देता है, जोड़ों को सहारा देता है और कमजोरी को दूर करता है। अगर आप सर्दियों में सेहत को लेकर गंभीर हैं, तो इस देसी सुपरफूड को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। सबसे पहले गोंद को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। कड़ाही में थोड़ा सा घी गर्म करें और धीमी आंच पर गोंद डालकर तलें। गोंद फूलकर कुरकुरी हो जाएगी। इसे निकालकर ठंडा करें और दरदरा कूट लें। अब उसी कड़ाही में थोड़ा और घी डालें और गेहूं के आटे को धीमी आंच पर भूनें। जब आटा सुनहरा और खुशबूदार हो जाए, तब गैस बंद कर दें। एक बड़े बर्तन में भुना आटा, कुटी गोंद, कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर मिलाएं।

अपना मकसद पाने के लिए खुद को ऐसे करें तैयार, ये रहे आसान तरीके

हम अपना मकसद तो बना लेते हैं लेकिन इस मकसद के लिए मानसिकतौर पर दृढ रह पाना आसन नहीं होता है। हम अक्सर थोड़ी मेहनत के बाद ही हार मान लेते हैं। या फिर मन में उतना जूनून नहीं रह जाता है। जितना शुरू में हुआ करता था।

अपनी मंजिल पाने के लिए शुरुआती दिनों वाला जूनून वापस लाना और बनाए रखना जरूरी होता है। इसलिए अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बादलाव कीजिए और अपनी मंजिल की ओर एक कदम और बढ़ाइए।

मनपसंद काम

आप वो काम ही चुनें जो आपको पसंद है। दरअसल बेमन से चुना गया काम करने की कोशिश आप खुद ही नहीं करना चाहेंगे। इसलिए उस काम से जुड़ा ध्येय बनाइए जिसे करना आपको बहुत पसंद है। आप उसे पूरे ऊर्जा से करना चाहेंगे।

करने के फायदे और न करने के नुकसान

खुद को दो स्थितियों में महसूस कीजिए। ये वो स्थितियां हैं जिसमें आप काम न करने के परिणाम महसूस करेंगे और करने के परिणाम भी जानें।

जैसे आप सोचें कि ये एक प्रोजेक्ट पूरा करके आप दूसरे बड़े प्रोजेक्ट में कमाल कर सकते हैं। जबकि ये काम नहीं करेंगे तो बिल्कुल ही पीछे ही रह जाएंगे। ये तुलना आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।

परिणाम की कल्पना

आप अपने मकसद की ओर जब कदम बढ़ाएंगे तो निश्चित ही एक दिन आपको परिणाम भी मिलेगा। वो परिणाम कैसा होगा? इस बात का जवाब खुद से पूछिए। पूछिए कि आप वो परिणाम पाकर कैसा महसूस करेंगे और आपकी जिंदगी कैसे बदल जाएगी। बस ये कल्पना भी आपको आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करेगी।

मंजिल के कई हिस्से

आप जो कुछ भी पाना चाहते हैं, उसको छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लीजिए। उसे एक बार में नहीं बल्कि कई हिस्सों में पूरा कीजिए। हर हिस्सा पूरा होने पर आपको संतुष्टि महसूस होगी और आपको अच्छा लगेगा। इस तरह आप मंजिल के और करीब भी आ पाएंगे।

दूसरों की तरह नहीं अपनी तरह

आप अपनी मंजिल को पाने के लिए जो भी तरीके अपनाते हैं, वो आपके हिसाब से होते हैं। या आपने दूसरों की देखादेखी ये काम किया है।

दूसरों ने ये काम अपनी क्षमताओं के हिसाब से किया था। आप भी अपनी क्षमताओं के हिसाब से रास्ता तलाशिए, तब ही आप उस काम को करने के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे।

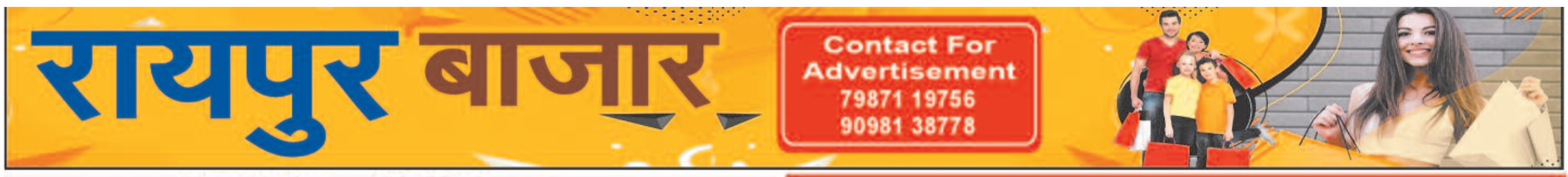

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'लोकी' स्टार हिडलस्टन के घर खुशियां, जावे के साथ किया स्वागत

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के 'लोकी' के नाम से दुनियाभर में पहचान बना चुके टॉम हिडलस्टन एक बार फिर पिता बन गए हैं। नए साल की शुरुआत उनके लिए बेहद खास रही। टॉम हिडलस्टन और

उनकी पार्टनर और अभिनेत्री जावे एश्टन ने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया है। इस खुशखबरी की पुष्टि खुद टॉम ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में की। इस दौरान उन्होंने इसे जिंदगी का सबसे खूबसूरत एहसास बताया।

टॉम हिडलस्टन ने पिता बनने के एहसास को शब्दों में बयां करते हुए कहा कि यह अनुभव ऐसा है, जिसे महसूस किए बिना समझा नहीं जा सकता। उनके मुताबिक, यह पल न सिर्फ भावनात्मक है बल्कि इंसान की पूरी सोच और जिंदगी को नई दिशा दे देता है। हालांकि, कपल ने अपने बच्चे के नाम और जेंडर को लेकर फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की है। दोनों हमेशा से अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए जाने जाते रहे हैं। पिछले साल की शुरुआत में जावे एश्टन ने अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की थी। जून में लंदन में हुए एक फिल्म प्रीमियर के दौरान उन्होंने पहली बार बेबी बंप के साथ रेड कार्पेट पर एंट्री ली थी। उस दौरान जावे का कॉन्फिडेंस और सादगी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि ऐसे संवेदनशील समय में उन्हें अपने साथी और टीम से काफी सपोर्ट मिला, जिसकी वजह से वह खुद को सुरक्षित और सहज महसूस कर पाईं। हाल ही में जावे एश्टन के सोशल मीडिया पोस्ट ने भी इशारों-इशारों में इस खुशखबरी की पुष्टि कर दी थी।

टॉलीवुड

'जन नायकन' को लेकर ट्रोल हुए विजय, बालकृष्ण बने वजह

'जन नायकन' का ट्रेलर जब रिलीज हुआ तो विजय के फैंस को यह काफी पसंद आया। फैंस इस फिल्म को लेकर इसलिए उत्साहित हैं, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिर फिल्म है। अब यही फिल्म सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही है। दर्शक थलापति विजय को निशाने पर ले रहे हैं। इसकी ट्रोलिंग के पीछे साउथ

एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने विजय की फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर के सीन्स को जब देखा तो उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यह नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' का रीमेक है। फैंस ने दोनों फिल्मों के सीन्स की आपस में तुलना की। आखिर में कई यूजर्स ने कहा कि विजय की फिल्म से बेहतर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'यूट्यूब पर भगवंत केसरी मौजूद है, इसलिए जन नायकन देखकर अपना पैसा बर्बाद ना करें। इसके बजाय ऑरिजनल फिल्मों को थिएटर में जाकर देखें।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'विजय की फिल्म तो भगवंत केसरी का किसी भी मामले में मुकाबला नहीं कर सकी है।' कई तेलुगु यूट्यूबर ने भी इस थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म को जमकर ट्रोल किया है। 'भगवंत केसरी' की कहानी की बात करें तो इसमें नंदमुरी बालकृष्ण ने एक पूर्व पुलिस ऑफिसर का रोल किया था। वह विजी नाम की लड़की को पालता है, उसे आर्मी में भेजना चाहता है। लेकिन इस बीच विलेन की एंट्री होती है, जो विजी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, क्योंकि उसकी और नंदमुरी के किरदार की पुरानी दुश्मनी है। लगभग यही कहानी फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर में भी नजर आती है। यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में थलापति विजय के अलावा बॉबी देओल भी हैं, जो विलेन के रोल में हैं।

भोजपुरी

नए साल में खेसारी अपने फैंस को देंगे धमाकेदार सरप्राइज, शेयर किया पोस्ट

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव नए साल में फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसा उन्होंने खुद कहा है। खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के चर्चित स्टार हैं। फैंस उनकी अदाकारी के दीवाने हैं। साथ ही उनकी सिंगिंग का जादू भी खूब चलता है। बीता वर्ष उनके लिए काफी खास रहा। अब नए साल में भी फैंस को वे बड़ा सरप्राइज देंगे। वह क्या होगा, इसका खुलासा भी खेसारी जल्द करेंगे। ऐसा उन्होंने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है। अभिनेता खेसारी लाल यादव ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें वे नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह उनकी फ्रंट साइज इमेज नहीं हैं। एक्टर हैट लगाए नजर आ रहे हैं। वे जादूगर जैसे लिबास में दिख रहे हैं। वे जिस तरफ देख रहे हैं, वहां सामने मेला जैसी रौनक है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'कुछ बड़ा सरप्राइज बा आप सब के लिए। बहुत जल्द'। इसके साथ खेसारी ने फायर इमोजी और रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं।

खेसारी ने अपनी किसी नई फिल्म का पोस्टर शेयर किया है या इसका ताल्लुक उनके किसी नए गाने से है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। वे जल्द इसे लेकर अपडेट साझा करेंगे। लेकिन, फिलहाल उनके इस पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। यूजर्स लिख रहे हैं, 'जियो जियो खेसारी'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'साल 2026 में ट्रेंडिंग स्टार खेसारी का सिक्का ही चलेगा'। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'सरप्राइज का बेसब्री से इंतजार है'। खेसारी लाल फिलहाल अपने हालिया रिलीज सॉन्ग 'बुलबुल' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह गाना यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है।

मेन्सवियर की पहचान

लाइफ स्टाइल

इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भारतीय मेन्सवियर को नई पहचान दे रहे हैं। साल 2026 में पुरुष इंडो-वेस्टर्न स्टाइल की तरफ़ तेज़ी से बढ़ रहे हैं। दुनिया भर के असर को कल्चरल एसेंस के साथ मिलाकर, ये स्टाइल अपनी सादगी में बहुत कुछ कहते हैं। हर स्टिच और डिजाइन फ़ैशन की सीमाओं को नई पहचान देते है, जो आज की पीढ़ी की अलग-अलग और बदलती पसंद को दिखाता है।

सर्दियों में अपना चेहरा धोने करें कुदरती पहल

सर्दी के मौसम में त्वचा के लिए तमाम तरह के प्रोडक्ट होते हैं, जो त्वचा का अच्छी तरह से ध्यान रखते हैं लेकिन इसके बाद भी बहुत से लोग घरेलू नुस्खों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आपको बेसन देखने को ना मिले। ऐसे मे आप आसानी से बेसन का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा को दमका सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस बेसन के साथ गुलाब जल और दही को अच्छे से मिलाना है। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर 4 से 5 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को साफ कर लें। इसके बाद आपकी त्वचा खिल उठेगी। सर्दियों में आपके स्किन की नमी कहीं खो जाती है।

ऐसे में अगर आप शहद को अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपके चेहरे को चमकाने का काम करेंगे। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने चेहरे को हल्का सा गीला कर लें। इसके बाद थोड़ा सा शहद हाथ में लेकर अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ देर इसे चेहरे की मसाज करने के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। टमाटर सर्दियों के मौसम में काफी ज्यादा सस्ते मिल जाते हैं। ऐसे में आप चेहरा चमकाने के लिए आप टमाटर के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपकी काफी मदद करेंगे। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं तो सबसे पहले टमाटर का रस निकालें और फिर इसे रुई की मदद से इसे चेहरे पर लगा लें। 5 से 7 मिनट के बाद आप चेहरे को धो सकते हैं।

अपने बाल धोते वक्त न करें ये गलतियां

आज के समय में बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से लोगों के साथ कई तरह की समस्याएं सामने आ रहीं हैं। वैसे तो बाल झड़ने की कई वजह हो सकती हैं, लेकिन इनमें सबसे अहम है गलत तरह से बालों का धोना। बालों को ज्यादा तेज गर्म पानी से धोना उन्हें डैमेज कर सकता है और सिर की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में हमेशा बालों को ठंडे या गुनगुने पानी से धोना ज्यादा सही माना जाता है। अगर आप ज्यादा मात्रा में शैंपू का इस्तेमाल करेंगे तो इससे भी आपके बाल डैमेज हो सकते हैं। डैमेज होने के बाद बाल काफी ज्यादा मात्रा में टूटने लगते हैं। ऐसे में हमेशा अपने हेयर टाइप के हिसाब से ही शैंपू चुनें और उसका इस्तेमाल भी सही मात्रा में करें। बाल बेहद नाजुक होते हैं। ऐसे में आप अपने बालों को धोने वक्त ज्यादा तेज ना रगड़े। इससे बाल कमजोर हो जाते हैं और तेजी से झड़ने लगते हैं। अगर आप हर रोज बाल धोते हैं, तो ये भी आपके बालों को कमजोर बनाता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा हफ्ते में तीन बार ही बालों को धोएं, तभी आपके बाल मजबूत बनेंगे। हेयर कंडीशनर को कभी बालों की जड़ों में नहीं लगाया जाता है। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे बाल जड़ से कमजोर होने लगते हैं।

इस मौसम में खूब भायेगा मखमली कुर्ता, जरूर आजमा कर देखिए

ठंड के इस मौसम में आम तौर पर कपड़ों को लेकर पुरुषों के पास तो ज्यादा ऑप्शन नहीं होते लेकिन महिलाएं बहुत सा विकल्प रखती हैं। इस मौसम में अगर आप भी कुछ ऐसा पहनने का सोच रहीं हैं, जिसे पहनकर आप खूबसूरत भी लगें और आपको ठंड भी ना लगे तो वेलवेट यानि मखमली सूट आपके लिए बेहतर विकल्प है।

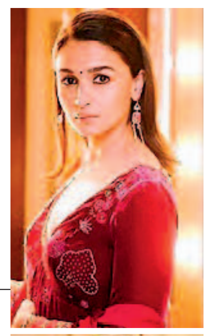

हरे रंग का कुर्ता

हरा रंग पूजा में पहनने के लिए वैसे भी काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप एक्ट्रेस प्रिया वॉरियर के जैसा मखमली कुर्ता अपने लिए तैयार करवा सकती हैं। इस कुर्ते के साथ आप स्लीक स्टाइल में जूड़ा बना सकती हैं।

लाल कुर्ता

मखमली लाल कुर्ता प्लाजो के साथ अगर आप पहनेंगी तो आप कंफर्टेबल भी रहेंगी और आपका लुक भी काफी खूबसूरत दिखेगा। आप चाहें तो अभी से इसे तैयार करा सकती हैं।

डीप पर्पल सूट

आप चाहें तो डीप पर्पल रंग का मखमली फैब्रिक का सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। ग्लैमरस लुक के लिए आप इस कुर्ते का गला आगे से थोड़ा डीप करा सकती हैं। इसकी स्लीव का डिजाइन भी अगर आप थोड़ा हटकर बनवाएंगी तो आपका लुक खूबसूरत दिखेगा।

नई दुल्हन के लिए

इस मौसम में आप मखमली अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। मखमली फैब्रिक में अनारकली सूट काफी खूबसूरत दिखता है।

रॉयल लुक देगा रॉयल ब्लू

अगर आप शाही लुक कैरी करना चाहती हैं तो रॉयल ब्लू रंग का सूट आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेगा। आप इसके साथ अलग रंग का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

कोट की असल लंबाई और फिटिंग के बारे में जानिए

कोट पहनने का शौक आपको है और पार्टी वगैरह में तो आप बस सूट ही पहनते हैं तो आपको इसकी सही लेंथ और फिटिंग के बारे में भी पता होना चाहिए। ताकि कोट के साथ आपको परफेक्ट लुक मिल सके। दरअसल सूट अगर फिटिंग का न हो और इसकी लंबाई अगर ठीक न हो तो लुक बिगड़ सकता है।

सबसे पहले टाई पर हो ध्यान

कोट की सही लेंथ जानने और लुक में शामिल करने से पहले आपको अपनी टाई की लंबाई पर ध्यान देना होगा। इसकी लेंथ न ज्यादा छोटी और न ज्यादा बड़ी होनी चाहिए। टिप ये है कि टाई की लंबाई पैंट की बेल्ट तक होनी चाहिए।

सूट लेंथ हो बैलेंस

सूट की लेंथ ऐसी होनी चाहिए कि आपकी ऊपरी और निचली बॉडी में बैलेंस दिखे। इसलिए सूट की जैकेट की लंबाई कमर से थोडा नीचे होनी चाहिए। अगर आपकी लंबाई 5'9" से ज्यादा है तो इसकी लेंथ थोड़ी और लम्बी भी हो सकती है।

अगर बाहें इतनी दिख रही हैं तो आपके सूट की सही लंबाई नापने का एक तरीका और है। इसके लिए देखिए आपकी शर्ट कि बाहें सूट की बाहों से करीब आधे इंच दिख रही हैं या नहीं। अगर ये नहीं दिख रही हैं तो या तो जैकेट ज्यादा लंबी है या बांहें ज्यादा छोटी हैं।

ओवेरकोट पहन रहे हैं तो

अगर आप ओवरकोट पहनना चाहते हैं तो इसकी लेंथ पर भी आपको ध्यान देना होगा। इसकी लंबाई हमेशा घुटनों से ऊपर होनी चहिए।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट बनवाते समय रखें ध्यान

रोजाना से लेकर पार्टी या शादी तक में हम सलवार सूट को पहनना पसंद करते हैं। इसके कई डिजाइंस आपको मार्केट में नजर आ जाएंगे। वहीं लोहड़ी का त्योहार आने वाला है और इस मौके पर खासकर पंजाबी स्टाइल के सलवार-सूट को पहना जाता है।

ज्यादातर इन सलवार-सूट को रेडीमेड की जगह सिलवाया जाता है। सूट को स्टाइल करने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से इसे सिलवाना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ आसान टिप्स जिनकी मदद से आप आसानी से पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट सिल्वा सकती हैं और अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

सलवार सिलवाते समय रखें इन बातों का खास ख्याल

आजकल सिंपल से सिंपल लुक में भी सलवार के लिए आपको इसके कई डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन सलवार बनवाने के लिए आपको इसकी लेंथ से लेकर बनवाई गई कलियों तक का खास ख्याल रखना जरूरी होता है ताकि आपकी बॉडी शेप परफेक्ट तरीके से डिफाइन हो सके। वहीं आप चौड़े पौंचे वाली सलवार बनवा सकते हैं। यह काफी चलन में आजकल नजर आ रही है। सूट की लेंथ को वैसे तो पंजाबी स्टाइल में शॉर्ट ही रखा जाता है, लेकिन जरूरी नहीं है कि आप भी इसे बिल्कुल ही शॉर्ट बनवाये बल्कि आप सूट की लेंथ को अपनी बॉडी शेप के हिसाब से कस्टमाइज कर घुटने तक का भी बनवा सकती हैं और इसका घेरा भी आप अपनी वेस्ट के हिसाब से बड़ा या छोटा करवा सकती हैं।

पंजाबी लुक को परफेक्ट बनाने के आसान टिप्स

पंजाबी लुक में खासकर पटियाला सलवार को पहनना पसंद किया जाता है।बालों के लिए आप परांदी की मदद लेकर ब्रेड हेयर स्टाइल बना सकती हैं। फ्रंट हेयर स्टाइलिंग के लिए आप अपने फेस शेप के हिसाब से ब्रेड को चुन सकती हैं। कानों में आप गोल बाली में कई तरीके के डिजाइंस को चुनें। इसके अलावा दुपट्टे में आप फुलकारी डिजाइन या किनारी लेस गोटा-पट्टी लगवा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आज की नौजवान पीढ़ी भी खूब पसंद करती हैं उस दौर के टिप्स

आज भी लड़कियों का दिल जीतने में उतने ही असरदार हैं तीन दशक पुराने डेटिंग टिप्स

डेटिंग टिप्स समझते हैं तो फिर आप अपनी क्रश को दिल की बात क्यों नहीं कह देते। अपना दिल देने से पहले इतनी शर्माहट और घबराहट क्यों हो रही है? कहीं नए डेटिंग आइडिया या टिप्स के चक्कर में आप भी एक-एक दिन यूं ही न काट दें।

अब नए-पुराने का चक्कर छोड़िए और असरदार डेटिंग टिप्स को अपनाकर देखिए। शायद इससे आपकी बात बन जाए। क्योंकि जब तक आप अपनी क्रश को स्पेशल फील नहीं करा देते तब तक वह आपकी ओर ध्यान नहीं दे सकती।

अब दिल जीतने के लिए हम नए दौर में 90 के दशक के कुछ डेटिंग टिप्स जानते हैं। जिसके जरिए फिल्मों में हीरो-हीरोइन और दूसरे लोग अपने दिल की बातों को बयां किया करते थे।

लड़की को स्पेशल फील कराना क्यों जरूरी?

कई लड़कों को लगता है कि सिर्फ 'मैं तुमसे बहुत बहुत प्यार करता हूं', 'मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूं...' कह देने से लड़की अपना मासूम दिल दे बैठेगी। मगर ऐसा नहीं होता है। क्योंकि प्यार एक खास अनुभव होता है, जो किसी खास के लिए ही होता है। इसलिए अपनी क्रश को स्पेशल फील कराना जरूरी है। इसके लिए गिफ्ट नहीं बस कुछ अल्फाज और अदकारी चाहिए।

प्यार से देखें, घूरे नहीं

नब्बे के दशक की फिल्मों में विलेन और हीरो दोनों ही हीरोइन पर फिदा होते थे लेकिन खलनायक के देखने का अंदाज ही एक्ट्रेस को पसंद नहीं आता है। जबकि एक्टर सिर्फ नजर से ही दिल चुरा लेते थे। इसलिए आप भी अपनी क्रश को घूरने, ताड़ने की बजाय उसको प्यार भरी निगाह से देखें।

व्हाट्सएप नहीं, खत पर लिखें दिल की बात

ऑनलाइन डेटिंग के दौर में एक साथ कई लोगों के मैसेज आते हैं। ऐसे में मिजाज खराब भी होता है। इसलिए आपको लीक से हटकर कुछ अलग करना होगा। ऐसे में ग्रीटिंग कार्ड या कोरे कागज पर कुछ प्यार भरी बातों को लिखकर भेजें। यकीनन इस वक्त में वह उस लड़की को पसंद आ सकता है। हां, वह आपका खत एकांत में पढ़ेगी, इसलिए मुमकिन है असर भी होगा। जबकि मैसेज वह किसी भी वक्त हजारों मैसेज के भीड़ में पढ़कर शायद स्पेशल महसूस न कर सके।

एक प्यार भरा गाना

नब्बे के दशक में हर प्रेमी-प्रेमिका की चाहत होती थी कि उनको चाहने वाले कोई प्यार भरा गाना डेडिकेट कर दे। वाकई गानों का असर तो होता ही है। दिल के हाल को बयां करने के लिए गानों से आसान व असरदार कोई तरीका नहीं हो सकता है। अगर आपको उसकी पसंद के गायक के बारे में पता हो तो फिर क्या कहने, यह आपके लिए सोने पर सुहागा साबित हो सकता है।

पहनें उसकी पसंद की ड्रेस

पुरानी फिल्मों में एक्टर लड़कियों की पसंद या उसकी मैचिंग ड्रेस को पहनते दिखते थे। यह काम क्या आज नहीं हो सकता है। इसलिए आप भी अपनी महबूबा की पसंद के कपड़े पहनकर उसको रिझाने की कोशिश करें। लेकिन आप आउटडेटेड ड्रेस से दूरी बनाकर रखें।

मिलने की जगह एकदम हटकर हम कंक्रीट के जंगलों में भले ही सुकून न पाएं लेकिन कोई हसीन सी जगह मिल ही जाएगी। मेरा मानना है कि 90 के दशक की तरह अपनी हीरोइन को किसी महंगे रेस्टोरेंट में ले जाने की बजाय किसी सुंदर सी जगह पर लेकर जाएं।